सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 212, नई दिल्ली । शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 लव कुश रामलीला में अजय देवगन रोहित शेट्टी एवं करीना कपूर करेंगी रावण का दहन

06 सुपर कंप्यूटर गढ़ेंगे भारत की नई छवि

08 ड्राइवर के हाथ में बिष्टा उठा दिया , ड्राइवर यूनियन ने स्टीयरिंग व्हील चलाना छोड़ दिया

बिना बैकेंड और मॉनिटरिंग सेंटर शुरु हुए वाहनों के एमवी एक्ट/ रूल में अनिवार्य कागजों को रुकवाना कहा का न्याय चित है

संजय बाटला

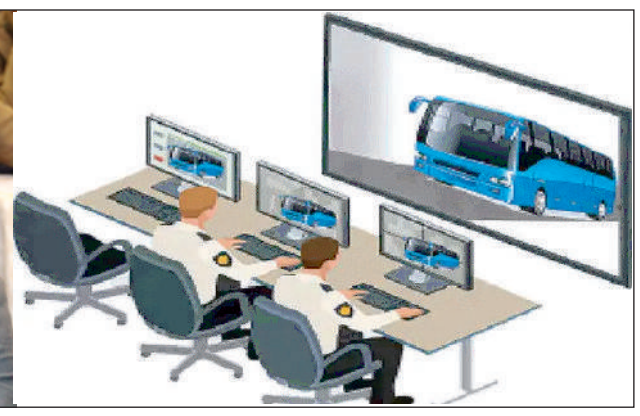

नई दिल्ली। दिल्ली के वाहन मालिकों से निर्भया फ्रेमवर्क के नाम से 2012 से वाहन ट्रैकिंग और निगरानी के नाम पर जीपीएस लगवाकर बिना बेकेंड सिस्टम और मॉनिटरिंग सेंटर बनाए फीस बटोरने वाले परिवहन विभाग में विशेष परिवहन आयुक्त के पद पर आसीन आईएएस शहजाद आलम द्वारा फिर से बिना सेंटर पूर्ण से शुरू हुए वाहन मालिकों को नए वीएलटीडी संयंत्र लगवाने के लिए गैर कानूनी आदेश सिर्फ़ वीएलटीडी निर्माता और डीलर को फ़ायदा पहुंचाने के उद्देश्य से जारी कर दिए और साथ ही वाहन जांच शाखा, वाहन पंजीकरण एवम् वाहन परमिट शाखा में आसीन डीटीओ, स को बिना नया वीएलटीडी संयंत्र लगे वाहनों के कार्यों पर रोक लगा दी।

अब यहां जानने योग्य बात यह है की 2012 -13 से अब तक परिवहन विभाग बेकैंड और मॉनिटरिंग सेंटर शुरू कराने में नाकायब रहा है उसका यह सेंटर कब तक जा कर कार्य करने लगेगा इसकी क्या गारंटी है और जब परिवहन विभाग एमओआरटीएच से इस सेंटर को बनवाने के लिए पैसे लेकर भी शूरु नही करवा रहा तो बिना किसी वजह से वाहन मालिकों पर नया वीएलटीडी सिस्टम यंत्र लगवाने के लिए आतुर है और वाहन मालिकों पर उनके लिए एमवी एक्ट के अनुसार अनिवार्य वाहन के कागजाती कार्यवाही रुकवा कर दबाव क्यो बनवा रहा है।

आपकी जानकारी हेतु बता दे यह वहीं प्रशासनिक अधिकारी है जो इससे पहले भी जहा पद पर आसीन था वहा भी इसी प्रकार के आदेश जारी कर क्षेत्र की जनता की बगावत का शिकार हुआ था और आला अधिकारी के द्वारा इसके द्वारा जारी आदेश को रद्द करने पर पर जनता शांत हुई थीं और जब से परिवहन विभाग में पोस्टिंग पर आसीन होकर आया है यहां भी ऐसे आदेश जारी कर रहा है जिनके कारण दिल्ली की सभी व्यवसायिक वाहनों के मालिक और चालक बगावत पर उतारू है।

जनहित के पद पर आसीन होकर कंपनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से जनता का अहित करने वाले आईएएस शहजाद आलम के खिलाफ कार्यवाही की आवाज हर तरफ़ से उठ रही है। अब सवाल यह उठता है दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव एवम् दिल्ली के उपराज्यपाल शहजाद आलम के खिलाफ कार्यवाही करेंगे या जनता को इसके लिए सड़को पर उतरना होगा।

आपकों यहां सुचित कर दे निर्भया फ्रेमवर्क के लिए निगरानी सेंटर जो अति अनिवार्य है के अब तक शुरू नहीं होने के पीछे भी इसी प्रशासनिक अधिकारी आईएएस शहजाद आलम है। जिसके पुख्ता सबूत उस फाइल में उपलब्ध है।

आपकों सूचित कर दे की जनता के वाहनों अपने पद का प्रयोग कर उठवाकर अपने प्रिय वाहन स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द करवाने के लिए भी यही प्रशासनिक अधिकारी आईएएस शहजाद आलम है

आपकों सूचित कर दे की दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यवसायिक गतिविधि के लिए प्रयोग करने के लिए पंजीकरण से पहले परमिट की बात कर इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण में बाधा उत्पन्न करने वाला प्रशासनिक अधिकारी आईएएस शहजाद आलम ही है।

आपकों सूचित कर दे दिल्ली के अंतर राजकीय बस टर्मिनल के अंदर से बाहरी वाहनों को नियम से बाहर जाकर और जनता की सुरक्षा को दरकिनार कर सवारी उठवाने की आज्ञा देने वाला प्रशासनिक अधिकारी आईएएस शहजाद आलम ही है।

इसके अलावा अभी और बहुत लम्बी आदेशों, निर्देशों की लिस्ट बाकी है जिनके द्वारा कम्पनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से जनता का अहित हुआ है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020) , एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर बाधित रहेंगी ट्रेन सेवाएं, यात्रियों को झेलनी पड़ेगी परेशानी; डीएमआरसी ने दिया अपडेट

> येलो लाइन पर 11 अक्टूबर को सुबह करीब आधा घंटे के लिए ट्रेन सेवाएं बाधित रहेंगी। इसके लिए स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर घोषणाएं भी की जाएंगी।
>
> दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रधान कार्यकारी निदेशक, अनुज दयाल

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन को लेकर ताजा अपडेट आया है। येलो लाइन पर 11 अक्टूबर को सुबह छह बजे के समय ट्रेन सेवाएं बाधित रहेंगी। इस दौरान करीब 30-40 मिनट के लिए यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दरअसल येलो लाइन पर पहली ट्रेन सेवा सुबह 0600 बजे के बजाय 0629 बजे शुरू होगी।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर यात्रा करने वाले यात्रियों को 11 अक्टूबर को परेशानी झेलनी पड़ेगी। रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी DMRC) ने यात्रियों को सूचित किया है कि 11 अक्टूबर को येलो लाइन पर सुबह के समय आधा घंटे के लिए ट्रेने सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

दिल्ली मेट्रो के अनुसार, येलो लाइन (समयपुर बादली-मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम) पर विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर नियोजित रखरखाव गतिविधियों के हिस्से के रूप में लाइन पर ट्रेन सेवाओं को शुक्रवार (11 अक्टूबर 2024) की सुबह 06:25 बजे तक संक्षिप्त रूप से विनियमित किया जाएगा।

सुबह छह बजे बाधित रहेंगी सेवाएं

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी DMRC) की माने तो शुक्रवार (11 अक्टूबर 2024) को विश्वविद्यालय से मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम के लिए पहली ट्रेन सेवा सुबह 06:00 बजे के बजाय 06:29 बजे और कश्मीरी गेट से समयपुरबादली के लिए सुबह 06:00 बजे के बजाय 06:40 बजे शुरू होगी।

विश्वविद्यालय के छोटे हिस्से से कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशनों के बीच और इसके विपरीत कोई ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं होगी। दो स्टेशन यानी विधानसभा और सिविल लाइन्स ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू होने तक यानी 06:25 बजे तक बंद रहेंगी।

हालांकि, येलो लाइन Delhi Metro Yellow Line के शेष प्रमुख खंड मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम से कश्मीरी गेट और समयपुर बादली से विश्वविद्यालय स्टेशनों पर सामान्य ट्रेन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर की जाएंगी घोषणाएं

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी DMRC) के अनुसार, 11 अक्टूबर को सुबह के समय यात्रियों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए, इस रखरखाव अवधि के दौरान परिवर्तन के लिए ट्रेनों के गंतव्य और संबंधित प्लेटफार्मों के बारे में येलो लाइन पर स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर घोषणाएं भी की जाएंगी।

कुछ खास प्वाइंट्स-

- येलो लाइन पर 11 अक्टूबर को सुबह करीब आधा घंटे के सेवाएं बाधित रहेंगी।
- कश्मीरी गेट से समयपुरबादली के लिए सुबह 06:00 बजे के बजाय 06:40 बजे ट्रेन सेवा शुरू होगी।
- यात्रियों को करीब आधा घंटे के लिए परेशानी झेलनी पड़ेगी।
- दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यात्रियों को पहले ही सूचित किया है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि 11 अक्टूबर को येलो लाइन पर सुबह विश्वविद्यालय से मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम के लिए पहली ट्रेन सेवा सुबह 06:00 बजे के बजाय 06:29 बजे और कश्मीरी गेट से समयपुरबादली के लिए सुबह 06:00 बजे के बजाय 06:40 बजे शुरू होगी।

खुशखबरी ! अब वंदे भारत और तेजस से त्योहारों पर जा पाएंगे घर , जानें शेड्यूल और टाइमिंग

परिवहन विशेष न्यूज

त्योहारी सीजन में अब घर जाने वालों के लिए खुशखबरी है। रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। लंबी दूरी के यात्रियों को सफर करने में कोई दिक्कत ना हो इसके लिए रेलवे अब दिल्ली से बिहार और यूपी के लिए वंदे भारत और तेजस ट्रेन चलाने की घोषणा की है। बता दें पहले ही अलग-अलग रूटों पर करीब 3000 स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं।

नई दिल्ली। त्योहार में घर जाने वालों को ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। शयनयान हो या वातानुकूलित कोच, किसी भी श्रेणी में जगह नहीं है। सबसे अधिक भीड़ पूर्व दिशा की ट्रेनों में है।

इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। उनकी सुविधा के लिए रेलवे विशेष ट्रेनें चला रहा है। इसी कड़ी में उत्तर रेलवे ने पटना के लिए सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस और विशेष तेजस एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की है।

नई दिल्ली-पटना वंदे भारत त्योहार विशेष एक्सप्रेस (02252/02251):-

यह विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस (Vande Bharat) नई दिल्ली से 30 अक्तूबर, एक, तीन और छह नवंबर को सुबह 8.25 बजे रवाना होगी और उसी दिन देर शाम आठ बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में पटना से यह विशेष ट्रेन 31 अक्तूबर, दो, चार और सात नवंबर को सुबह साढ़े सात बजे रवाना होकर उसी दिन देर शाम सात बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

रास्ते में इसका ठहराव कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा रेलवे स्टेशन पर होगा। इस विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस में चेयर कार के आठ कोच लगाए जाएंगे।

नई दिल्ली-पटना तेजस त्योहार विशेष (02248/02247):-

त्योहार विशेष तेजस एक्सप्रेस (Tejas Express) नई दिल्ली से 29 व 31 अक्तूबर, दो और पांच नवंबर को सुबह 8.25 बजे चलेगी और उसी दिन देर शाम 8.30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में पटना से यह 30 अक्टूबर, एक, तीन और छह नवंबर को सुबह साढ़े सात बजे रवाना होकर उसी दिन देर शाम 7.35 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

रास्ते में यह कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। इसमें अनारक्षित, शयनयान और वातानुकूलित श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे।

इस साल रेलवे चला रहा है 2944 ट्रेनें

इंडियन रेलवे ने त्योहारों के मौसम में घर जाने वालों के लिए बड़ी राहत दी है। यात्रियों को परेशानी को देखते हुए रेलवे अलग-अलग रूटों पर स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। पिछले साल एक अक्टूबर से 30 नवंबर तक उत्तर रेलवे द्वारा कुल 1082 विशेष ट्रेन चलाई गई थी।

इस बार 2944 त्योहार विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसमें भी 80 फीसदी से ज्यादा बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए चलाई जा रही हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 1862 अधिक है। ताकि यात्रियों को सफर करने के लिए दिक्कतों का सामना ना करना पड़े।

करावल नगर में ट्रैफिक पुलिस ने काटे ताबड़तोड़ चालान, लोगों ने किया विरोध; पर नहीं रोकी कार्रवाई

दिल्ली के करावल नगर रोड पर शेरपुर चौक के पास यातायात पुलिस ने अवैध पार्किंग वालों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की। जिसमें करीब सौ से ज्यादा वाहनों के के चालान किए गए तो वहीं पर 30 से अधिक वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान इलाके के विधायक भी मौजदू थे। लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया लेकिन उनकी एक नहीं चली।

पूर्वी दिल्ली। करावल नगर रोड पर शेरपुर चौक के पास दिल्ली यातायात पुलिस ने अवैध पार्किंग वालों के खिलाफ दो दिन तक अभियान चलाया। सौ से अधिक वाहनों के चालान किए गए।

30 से अधिक वाहनों को जब्त किया गया। अवैध पार्किंग के चलते सड़क पर लोगों को जाम से जूझना पड़ता था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान मौके पर विधायक भी थे मौजूद

खजूरी सर्कल के इंचार्ज इंस्पेक्टर रवि दत्त के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर करावल नगर के विधायक मोहन सिंह बिष्ट भी पहुंचे और कार्रवाई की सराहना की। मुस्तफाबाद से लेकर शेरपुर चौक तक लोग मुख्य सड़क पर ही अवैध पार्किंग करते हैं। जिस वजह से सड़क संकरी हो जाती है। सड़क पर आवागमन करने वाले लोगों को जाम से जूझना पड़ता है।

पर्यावरण पाठशाला : प्रकृति से जुड़ें, खुशियां बढ़ाएं!

अंकुर

हर सुबह सूरज की हल्की किरणें जैसे ही पार्क की हरी घास पर पड़तीं, कुहू अपने छोटे कदमों के साथ पार्क में आ जाती। उसकी हंसी और चहक पार्क की सुबह को और भी जादुई बना देती। कुहू को पेड़ों, फूलों और पक्षियों से बेहद प्यार था। वह रोज़ सुबह अपने छोटे से बैग में पक्षियों के लिए दाना और गिलहरियों के लिए थोड़े से मूंगफली के दाने लेकर आती थी।

कुहू को पता था कि यह पार्क सिर्फ उसके खेलने की जगह नहीं है, बल्कि यह उसका एक विशेष दोस्त था। वह पार्क के पेड़ों से बातें करती, उनके साथ खेलती और पेड़ों की ठंडी छांव में बैठकर उनके तने को गले लगाती। कुहू का मानना था कि पेड़ हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं, बल्कि खुशियाँ और शांति भी देते हैं।

हर सुबह कुहू अपने आस-पास के बच्चों और बड़ों को बुलाती, ₹आओ, पार्क में चलो! यहाँ की ताजी हवा में सांस लो, पेड़ों के नीचे बैठो और देखो ये पक्षी कैसे खुशी से चहचहाते हैं।₹ धीरे-धीरे, पार्क में आने वाले लोग कुहू की इस छोटी-सी आदत से प्रेरित होने लगे। बच्चे खेलते-खेलते कुहू के साथ पेड़ लगाना और पक्षियों को खाना खिलाना सीख गए। बड़े भी उसके साथ समय बिताने लगे और उन्होंने महसूस किया कि पार्क में घूमना उनके जीवन में एक नई ताजगी ला रहा है।

कुहू ने सबको सिखाया कि कैसे छोटी-छोटी चीज़ों से हम अपनी ज़िंदगी को खुशनुमा बना सकते हैं। वह कहती, ₹पेड़ों से सीखो धैर्य और स्थिरता। ये बिना कुछ मांगे हमें बहुत कुछ देते हैं। पक्षियों को देखो, कैसे वे अपनी चहचहाहट से हमें सुबह की ताजगी का संदेश देते हैं।₹

कुहू की इस पहल से पार्क में न केवल खुशियों का माहौल बन गया, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की जागरूकता भी बढ़ी। सबने मिलकर पेड़ों का ख्याल रखना शुरू किया, कचरा फेंकने की बजाय पार्क को साफ रखने लगे, और हर किसी ने महसूस किया कि सुबह की सैर केवल शरीर के लिए नहीं, बल्कि मानसिक शांति और खुशी के लिए भी बेहद जरूरी है।

कहानी की सीखः

नन्ही कुहू ने हमें सिखाया कि प्रकृति से जुड़कर हम न केवल अपनी खुशी बढ़ा सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित कर सकते हैं। पार्क की तरह ही, हमारी ज़िंदगी में भी प्राकृतिक सौंदर्य और शांति होनी चाहिए। तो आइए, हम सब अपने दिन की शुरुआत कुहू की तरह करें - पार्क में जाएं, पेड़ों से दोस्ती करें, पक्षियों के गीत सुनें, और अपनी ज़िंदगी को हर दिन खुशनुमा बनाएं।

कुहू की तरह हर घर में एक नन्ही बिटिया पल रही है। उन्हें भी सुबह की सैर कराएं और प्रकृति के संग एक अनमोल बंधन बनाएं। फिर देखिए कैसे ये नन्हे बच्चे पूरे माहौल को बदल देते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा कुछ खास हुआ है, तो उसे हमारे साथ साझा करें – indiangreenbuddy@gmail.com पर। सबसे प्रेरणादायक कहानी को फीचर किया जाएगा

कविताएं

बेटी हैं रिश्तो की डोर

ज़ब होता है घर में बेटियों का आगमन,
वसुंधरा-सा महक उठता हमारा घर आंगन।

घर में जब भी कोई होती है हलचल।
उसके आने से ही होती है चहल-पहल।

बेटियों के पग होते हैं खुशियों का आधार।
तभी तो महक उठते हैं हमारे घर-संसार।

ममता रुपी माँ बन हमें प्यार हैं लुटाती,
जब गलती करें हम पास हमें है बिठाती।

बहन, बेटी, पत्नी व माँ का ऐसा होता स्थान,
परिवार इन्हें ही देता वह जबरदस्त सम्मान।

कन्या ही हर रूपों में देती है सब संस्कार।
मुसीबत में घिर जाओ तो करती बेड़ा पार।

जब होता कोई विवाद डट करती है सामना।
इन्हें ही आता है रिश्तो की डोर को थामना।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

जलेबी और विक्ट्री

बाबा अब कभी न कहना,
लगाना हैं जलेबी की फैक्ट्री!
अन्यथा जनता उड़ा के जाएगी विक्ट्री।
अरे किस-किस को नहीं थी आस,
जलेबी को दे दी लड्डू ने मात!
कहते रहें सत्ता की चाबी है हमारे पास।
ढाई बजे तक कहते रहे भूपिंदर,
सरकार बनाने के प्रति हम हैं आश्वस्त!
चेहरा बता रहा था हौसले हैं पस्त।
वे कहते रहे सैनी की सीट फँस गई है,
उनकी ही जीत हमें ज़ोर से डस गई है।
ओवर कॉन्फिडेंस सिर चढ़ गया है?
सारी मेहनत पर पानी फिर गया है!
एक बार फिर पार्टी का ग्राफ गिर गया है।
पहलवान, नौजवाँ और किसान की ट्रिक।
किसको पता था उनकी हो जाएगी हैट्रिक।

संस्कारशाला : विद्यालय की यादों को संजोने के उपाय - एक जीवनभर की धरोहर : अंकुर

प्रिय मित्रों,

विद्यालय का समय जीवन का एक अनमोल हिस्सा होता है। यह वही जगह होती है जहाँ हमारी बचपन की यात्रा शुरू होती है, और इससे जुड़ी खट्टी-मीठी यादें हमारे दिलों में हमेशा बसी रहती हैं। चाहे हम कितने भी बड़े हो जाएं, उन सुनहरी यादों को संजोना बेहद ज़रूरी है। 24 साल बाद, जब मुझे अपने केंद्रीय विद्यालय, बदरपुर, नई दिल्ली जाने का अवसर मिला, तो ऐसा लगा जैसे मैं समय की मशीन में बैठकर वापस अपने बचपन में चला गया हूँ।

वहाँ के पेड़, जो कभी छोटे थे, अब विशाल हो चुके हैं, और स्कूल का हरित वातावरण आज भी वही सुकून प्रदान करता है। दोस्तों की यादें ताज़ा हो गईं, जो आज अपनी ज़िंदगी में व्यस्त हो चुके हैं। विद्यालय की आत्मा आज भी वही है।

इस अनुभव ने मुझे यह सिखाया कि हमें अपने विद्यालय और जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। हमें हमेशा उस बाग-बगिया को संजोए रखना चाहिए, जहाँ हमें सींचा गया। जीवन में चाहे कितनी भी ऊँचाई पर पहुँच जाएं, पुरानी यादें और मित्र हमें वही सुकून प्रदान करते हैं जो आधुनिक तकनीक नहीं दे सकती।

विद्यालय का समय हर व्यक्ति के जीवन में अनमोल होता है। यह न केवल शिक्षा का माध्यम होता है, बल्कि यह जीवन के प्रारंभिक दौर में हमें समाज, मित्रता, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का पहला पाठ पढ़ाता है। जब हम विद्यालय छोड़ते हैं, तो वह समय भले ही बीत जाता है, लेकिन उसकी यादें हमेशा हमारे दिलों में बसी रहती हैं। ऐसे में यह ज़रूरी है कि हम उन यादों को संजोए रखें और उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में आगे बढ़ें। आइए जानते हैं कुछ ऐसे कदम जो हमें अपने स्कूल के समय की यादों को संजोने और उन यादों से आनंदित होने में मदद कर सकते हैं।

1. स्मृतियों को संग्रहित करें

स्कूल की यादें ताज़ा रखने का सबसे सरल तरीका है कि हम उन पलों को याद रखें जो हमारे दिल के करीब हैं। पुराने फोटो, रिपोर्ट कार्ड, टॉफ़ी के रैपर या पुरस्कार पत्रिकाओं को सहेज कर रखें। ये छोटी-छोटी चीज़ें समय के साथ हमें उन दिनों की झलक देती हैं, जब हम उत्साह और जिज्ञासा के साथ हर दिन स्कूल जाते थे।

2. पुराने मित्रों से जुड़े रहें

हमारे विद्यालय के मित्र हमारे जीवन का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए, समय-समय पर अपने पुराने मित्रों से संपर्क बनाए रखें। आज के डिजिटल युग में व्हाट्सएप ग्रुप या सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़े रहना आसान हो गया है। विद्यालय के अनुभवों और पलों को साझा करना हमारे रिश्तों को और गहरा बना सकता है।

3. विद्यालय का दौरा करें

समय के साथ विद्यालय छोड़ने के बाद भी वहाँ जाकर उन गलियारों में घूमना, जहाँ आपने अपना बचपन बिताया, एक विशेष अनुभव होता है। यदि संभव हो, तो हर कुछ सालों में अपने विद्यालय का दौरा करें। वहाँ के शिक्षकों से मिलें, अपनी यादों को ताज़ा करें, और नए विद्यार्थियों के बीच अपनी पुरानी यादों को साझा करें।

4. विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लें

अगर आपका विद्यालय पुराने छात्रों को आमंत्रित करता है, तो उन सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में अवश्य भाग लें। इस तरह से आप न केवल विद्यालय के साथ जुड़े रहेंगे, बल्कि नई पीढ़ी के बच्चों के साथ भी बातचीत करेंगे और उन्हें अपनी कहानियों से प्रेरित करेंगे।

5. विद्यार्थियों की मदद करें

हम सभी ने अपने विद्यालय से बहुत कुछ सीखा है। अब हमारा कर्तव्य है कि हम वापस कुछ दें। आर्थिक सहायता के रूप में नहीं तो नैतिक समर्थन के रूप में, समय दान करके, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में सहयोग कर सकते हैं। इससे न केवल हमें आत्मिक संतुष्टि मिलेगी बल्कि विद्यालय के प्रति हमारा जुड़ाव और गहरा होगा।

6. शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करें

हमारे शिक्षक हमें न केवल किताबों का ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। विद्यालय छोड़ने के बाद भी अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करना हमें उन दिनों की याद दिलाता है जब उन्होंने हमें अनुशासन, मूल्य और नैतिकता का महत्व सिखाया था।

7. विद्यालय की वस्तुओं को संरक्षित करें

यदि आपके पास विद्यालय की कोई वस्तु है, जैसे यूनिफॉर्म, बिल्ले, या शैक्षिक प्रमाणपत्र, तो उन्हें संभाल कर रखें। ये छोटी-छोटी चीज़ें जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से को दर्शाती हैं और हमें उन सुनहरे दिनों की याद दिलाती हैं।

8. विद्यालय के साथ जुड़ाव बनाए रखें

कुछ विद्यालय पुराने छात्रों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। यदि ऐसा हो, तो उसमें भाग लें और विद्यालय के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। इससे न केवल आपका जुड़ाव बना रहेगा बल्कि आप विद्यालय के विकास में भी योगदान दे पाएंगे।

9. पुरानी यादों को नयी पीढ़ी से साझा करें

अपने बच्चों और नयी पीढ़ी के बच्चों के साथ अपने स्कूल के किस्से साझा करें। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि स्कूल जीवन कितना महत्वपूर्ण होता है और वहाँ से मिली सीखें जीवनभर हमारा साथ देती हैं।

10. सामाजिक योगदान में भाग लें

स्कूल से मिली शिक्षाओं को जीवन में उतारते हुए, समाज में सकारात्मक योगदान देना भी एक बड़ा तरीका है अपने स्कूल के दिनों को जीवंत रखने का। पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा या अन्य सामाजिक कार्यों में भाग लेकर हम समाज को भी बेहतर बना सकते हैं।

विद्यालय जीवन की यादें अमूल्य होती हैं। हम जितना समय उनके साथ बिताते हैं, उतनी ही वे हमारे जीवन को संवारती हैं। इसलिए, इन यादों को संजोना और उन्हें समय-समय पर याद करते रहना ज़रूरी है। इनसे हमें न केवल जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि हमारी जड़ें कहाँ हैं और हमने जीवन के मूल्य कहाँ से सीखे।

तो आइए, इन यादों को ताज़ा रखें और अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ विद्यालय की इन अनमोल धरोहरों को भी संजोएं।

इन डिशेज के बिना अधूरा है दुर्गा पूजा का आनंद, एक बार जरूर लें इनका स्वाद

दुर्गा पूजा का असली मजा बंगाल में ही देखने मिलता है। यहां जैसी रौनक और धूम दुर्गा पूजा के अवसर पर कहीं देखने को नहीं मिलेगा। यहां गली-गली में आपको दुर्गा पूजा के पंडाल में देखने को मिल जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ डिशेज (Durga Pooja 2024 Dishes) को जरूर ट्राई करना चाहिए जिन्हें खाकर आपका दिल खुश हो जाएगा। आइए जानें कौन-सी हैं वो डिशेज।

नई दिल्ली। नवरात्र का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 3 अक्टूबर से हो चुकी है। खासकर बंगाल में ये त्योहार खूब जोर-शोर से मनाते हैं। दुर्गा पूजा बंगाल का सबसे प्रमुख त्योहार है, जिसे खूब जोर-शोर से मनाया जाता है। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा के लिए गली-गली में पंडाल लगाए जाते हैं, जहां नौं दिनों तक लोग नाच-गाने से लेकर पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी लेते हैं। दुर्गा पूजा का असली आनंद लेने के लिए आपको एक बार कलकत्ता जरूर जाना चाहिए।

यहां दुर्गा पूजा की अलग ही रौनक देखने को मिलती है। खट्टे मीठे, तीखे और पारंपरिक मिठाइयों का स्वाद लेने के लिए कई राज्यों और विदेशों से लोग नवरात्र के दौरान कोलकाता आते हैं। ऐसे में यदि आप भी नवरात्र में कोलकाता जाने का प्लान बना रहे हैं, तो पूजा पंडालों में आपको कुछ खास डिशेज (Durga Puja Food Recipes) का मजा जरूर लेना चाहिए। आइए जानें कौन-कौन सी हैं वो डिशेज।

खिचड़ी

नवरात्र में बंगाल में पूजो पंडाल में खिचड़ी भी खाई जाती है। दाल, चावल और सब्जियां डालकर पकाई गई खिचड़ी पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट के लिए लाइट भी होती है। दुर्गा पूजा पर भोग की तरह भी भोगेर खिचुरी भी बनाया जाता है।

तेलभाजा (पकौड़े)

तेलभाजा को हम पकौड़े के नाम से जानते हैं। बंगाल में खासकर के बैंगन, आलू या दाल के पकौड़े पूजो पंडाल में बनाएं और खिलाएं जाते हैं। आप भी नवरात्र में शाम के समय गरमा गरम पकौड़ों का मजा लें सकते हैं। कई पंडालों में आपको इसके स्टॉल्स मिल जाएंगे।

रसगुल्ला या संदेश

बंगाल का रसगुल्ला को पूरे देश में मशहूर हैं। ये रसीले और मुलायम रसगुल्ले आपके मुंह में बड़ा ही अनोखा स्वाद खोल देंगे। खासकर नवरात्र के नौं दिन पूजो पंडाल में आप मिठाइयों में रसगुल्ला, संदेश जैसे मिठाइयों का मजा लें सकते हैं। इनका स्वाद काफी अलग और टेस्टी होता है।

माछेर झोल (मछली की करी)

खासतौर पर नवरात्र में पूजो पंडाल में माछेर झोल लोग खूब शौक से खाते हैं। माछेर झोल मछली की करी होती है, जो कई मसालों के साथ पकाई जाती है। इसे चावल के साथ लोग खाना पसंद करते हैं। अगर आप भी मछली खाने के शौकीन हैं, तो आपको इसे जरूर ट्राई करना चाहिए।

सिंघाड़े की कचौरी

नवरात्र में बंगाल के पूजा पंडालों में सिंघाड़े की कचौड़ी भी खूब खाई जाती है। सिंघाड़े की कचौड़ी काफी टेस्टी लगती है और इसे हरी चटनी के साथ सर्व किया जाता है। सिंघाड़ों को उपवास के दौरान भी खाया जा सकता है। इसलिए इसे एक बार तो जरूर चखें।

पराली जलाने पर अब जाना पड़ेगा जेल, सीएक्यूएम ने जिला अधिकारियों को दिए विशेष अधिकार; SC ने लगाई थी फटकार

परिवहन विशेष न्यूज

पराली जलाने पर अब किसानों को सिर्फ कानूनी कार्यवाही का ही सामना नहीं करना पड़ेगा बल्कि जेल भी जाना पड़ सकता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने पराली जलाने की घटनाओं पर पूर्णतया रोक लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। आयोग ने दिल्ली हरियाणा पंजाब उत्तर प्रदेश और राजस्थान के जिला अधिकारियों को विशेष अधिकार प्रदान किए हैं। कहीं भी पराली जले तो दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नई दिल्ली। पराली जलाने पर अब किसानों को न सिर्फ कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा बल्कि जेल भी जाना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बिल्कुल सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। साथ ही पराली जलाने की घटनाओं पर पूर्णतया रोक लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

पराली जलाने की घटनाएं पूरी तरह से खत्म करने को कहा

जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम 2021 की धारा 14 (2) के तहत सीएक्यूएम ने बृहस्पतिवार को हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के सभी जिला अधिकारियों को विशेष अधिकार प्रदान किए हैं। आयोग के सदस्य सचिव अरविंद नौटियाल द्वारा उक्त राज्यों के मुख्य सचिवों को जारी किए गए निर्देशों में पराली जलाने की घटनाएं पूरी तरह से खत्म करने को कहा गया है।

लापरवाही बरतने पर अधिकारी पर भी हो कार्रवाई

जिला उपायुक्त, जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट को स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि अगर कहीं भी पराली जले तो दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस में एफआइआर दर्ज कराने के साथ- साथ सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। यहां तक कि इस दिशा में लापरवाही बरतने के लिए छोटे-बड़े हर स्तर के अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सीएक्यूएम ने एनसीआर में शामिल सभी राज्य सरकारों को भी धान की पराली जलाने पर हर हाल में रोक लगाने का निर्देश दिया है। इसके लिए निगरानी व कार्रवाई दोनों ही बढ़ाने को कहा गया है।

कई राज्यों में सामने आई 772 घटनाएं

गौरतलब है कि फिलहाल भले ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निवासी साफ हवा में सांस ले रहे हों, लेकिन जल्द ही यह राहत "हवा" हो जाएगी। वजह, पराली जलने की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। बृहस्पतिवार तक उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में ऐसी 772 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। हवा की उत्तर पश्चिमी होने लगी है। ऐसे में जल्द ही पराली का धुआं एनसीआर के निवासियों की सांसें उखाड़ना शुरू कर देगा।

15 सितंबर से 10 अक्टूबर के दौरान किस राज्य में कितनी जली पराली

राज्य पराली जलने की घटनाएं

पंजाब	390
हरियाणा	225
उत्तर प्रदेश	133
राजस्थान	21
दिल्ली	03

बता दें कि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हर साल पराली जलाने के मामले सामने आते हैं। हर साल किसानों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन इसके बावजूद भी लोग मानने को तैयार नहीं है। अब इसे लेकर कार्रवाई का सख्त आदेश दिया गया है।

दिल्ली में फिर पकड़ी गई 2000 करोड़ की ड्रग्स, पहले जब्त हुई थी 5 हजार करोड़ की कोकेन

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की है। गुरुवार को पुलिस ने 200 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की है जिसकी अनुमानित कीमत 2000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। यह कार्रवाई कुछ दिन पहले ही पांच हजार करोड़ कीमत की ड्रग्स पकड़े जाने के बाद की गई है। आगे विस्तार से पढ़िए पूरा मामला।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस ने फिर से 2000 करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़ी है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने कुछ दिन पहले ही पांच हजार करोड़ कीमत की ड्रग्स पकड़ी थी।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा पिछले हफ्ते गिरफ्तार किए गए अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के छह सदस्यों से पूछताछ के आधार पर सेल की टीम ने बृहस्पतिवार शाम दिल्ली के रमेश नगर व यूपी के हापुड़ में दो जगहों पर एक साथ छापेमारी की। रमेश नगर स्थित एक छोटी सी दुकान से सेल ने करीब 2000 करोड़ रुपये मूल्य की 200 किलो कोकेन बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, उक्त कोकेने को नमकीन के पैकेट में छिपाकर रखी गई थी ताकि पुलिस को आसानी से चकमा दिया जा सके। दुबई में छिपे ड्रग्स माफिया वीरेंद्र बसोया के सिंडिकेट से जुड़े एक सदस्य ने इसी माह उक्त दुकान को किराये पर लिया था। पुलिस को जानकारी मिली है कि दो अक्टूबर को सिंडिकेट के कुछ सदस्यों के पकड़े जाने की जानकारी मिलते ही दुकान किराये पर लेने वाला शख्स देश छोड़कर विदेश भागने में कामयाब हो गया। उसके नाम व पते की जानकारी पुलिस को मिल गई है।

उधर, यूपी के हापुड़ में छापा मारकर स्पेशल सेल की दूसरी टीम ने अखलाक नाम के एक और तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। वह हापुड़ का ही मूल निवासी है। उसके घर से कोकेन व किसी अन्य तरह की ड्रग्स बरामद नहीं हुई है।

डीसीपी अमित कौशिक का कहना है कि अखलाक उत्तर भारत में ड्रग्स के परिवहन में मदद करता था। उसे भी पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा। अब तक इस सिंडिकेट के सात सदस्यों को स्पेशल सेल दिल्ली, अमृतसर व हापुड़ से गिरफ्तार कर चुकी है। इसके मुंबई के अलावा दुबई व इंग्लैंड के कनेक्शन आ चुके हैं।

बता दें कि दो अक्टूबर को स्पेशल सेल ने पहले दक्षिणी दिल्ली के महिपालपुर में एक गोदाम पर छापा मारकर वहां से पहले तुषार गोयल, हिमांशु कुमार, औरंगजेब सिद्दीकी व भरत कुमार जैन नाम के चार तस्कर को गिरफ्तार किया था। गोदाम से पुलिस ने 562 किलो कोकेन और 40 किलो थाईलैंड का गांजा बरामद किया था। उक्त ड्रग्स की कीमत पुलिस ने 5000 करोड़ से अधिक होने का दावा किया था।

वहीं, उसके अगले दिन सेल ने इस सिंडिकेट के एक और प्रमुख सदस्य जतिंदर सिंह गिल को अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया था। वह पंजाब का रहने वाला है, लेकिन 25 साल से इंग्लैंड में रह रहा था। जांच एजेंसी को पता चला था कि जतिंदर सिंह गिल इंग्लैंड में रहकर इस पूरे सिंडिकेट को दुबई में रह रहे वीरेंद्र बसोया के निर्देश पर सुपरवाइज करने दिल्ली आया था। वह लगातार तुषार गोयल के संपर्क में था।

इस आपरेशन के लिए ही उसे कुछ माह पहले भारत भेजा गया था। गिल से पूछताछ के बाद सेल ने अमृतसर में उसके चाचा के घर से एक फॉर्च्यूनर भी बरामद की थी। कार से भी 10 करोड़ की कोकेन बरामद की गई थी। तुषार गोयल, वसंत एन्क्लेव, हिमांशु कुमार, हिंद विहार, प्रेम नगर, किरारी, औरंगजेब सिद्दीकी, छोटी रार, देवरिया, यूपी व भरत कुमार जैन, पश्चिम मुंबई का रहने वाला है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार किए तस्करों से पूछताछ के आधार पर अभी कई राज्यों में छापेमारी जारी है।

स्पेशल ने पहले छह सदस्यों को किया था गिरफ्तार

केंद्रीय एजेंसियों के इनपुट पर दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया था, जिसमें एक हैंडलर भी शामिल है। एजेंसियों ने इन सदस्यों से पूछताछ की कि विदेश से कोकेन कैसे और किस रूट से भारत लाया गया था।

गिरोह का मास्टरमाइंड है वीरू

पुलिस के अनुसार, गिरोह के मास्टरमाइंड वीरू के दुबई से कारोबार चलाने और मुंबई के भरत कुमार जैन के दिल्ली से पकड़े जाने पर यह शक था कि इनके तार मुंबई की डी कंपनी से भी जुड़े हो सकते हैं।

डीआरआई के अधिकारी भी करेंगे पूछताछ

दुबई को डी कंपनी का सेफ जोन माना जा रहा है, जहां वे अपने कारोबार को संचालित कर रहे हैं। डायरेक्टरेट आफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) के अधिकारी भी इनसे पूछताछ करेंगे।

बता दें कि बीते गुरुवार को आईबी की टीम ने नार्को टेरर और दुबई कनेक्शन पर तुषार गोयल से लंबी पूछताछ की, क्योंकि वही लगातार दुबई में वीरू से संपर्क में था। यह पूछताछ आगे भी जारी रहेगी ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा सके और उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

दिल्ली पुलिस को कैसे मिली थी सफलता

जब ड्रग्स के रूट को ट्रैक किया गया तो दिल्ली पुलिस ने तुरंत गिरोह के सदस्यों को पकड़ लिया था। उनके पास से करीब पांच हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई थी। जो दुबई के पास एक बंदरगाह के माध्यम से पनामा से गोवा लाई गई थी।

बताया गया था कि पिछले कुछ हफ्तों में उस ड्रग्स की खेप उत्तर प्रदेश के हापुड़ व गाजियाबाद और फिर दिल्ली के महिपालपुर में लाई गई। जांच में श्रीमा एक की आईडी दिल्ली की निकली, जो तुषार गोयल के एक फर्जी नाम से पंजीकृत थी। जैसे ही डिलीवरी करीब आई पुलिस टीम ने महिपालपुर के एक गोदाम के बाहर से तुषार गोयल व भरत कुमार जैन समेत चार तस्करों को दबोच लिया था।

लव कुश रामलीला में अजय देवगन रोहित शेट्टी एवं करीना कपूर करेंगी रावण का दहन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। लाल किला स्थित लव कुश रामलीला में इस बार 12 अक्टूबर को रावण दहन के लिए *सिंघम अगेन* के कलाकारों को आमंत्रित किया गया है यह जानकारी देते हुए *लव कुश रामलीला के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि हमने इस बार बुराई पर सच्चाई की जीत के लिए सिंघम अगेन के कलाकारों को आमंत्रित किया है जिसमें *अजय देवगन, रोहित शेट्टी एवं करीना कपूर* ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है यह लोग 12 अक्टूबर को लव कुश रामलीला में रावण का वध करेंगे और बुराइयों पर अच्छाई की जीत को स्थापित करेंगे।

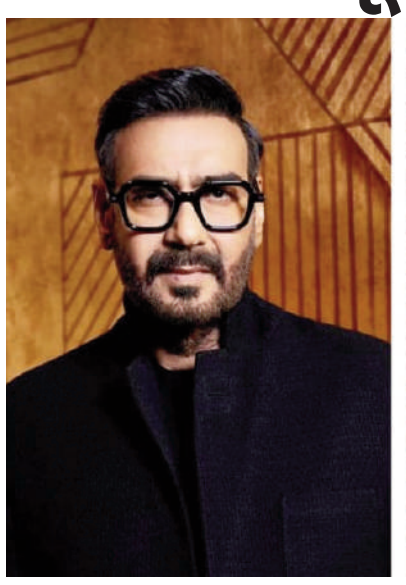

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने दिल्ली में किया 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का प्रमोशन

सुषमा रानी

आनेवाली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के लिए दर्शकों का उत्साह बढ़ने के साथ प्रशंसकों से जुड़ने और फिल्म के बारे में जानकारी साझा करने के लिए इस फिल्म के कलाकार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी दिल्ली की सड़कों पर उतरे। 11 अक्टूबर, 2024 को रिलीज होने जा रही इस फिल्म के लीड एक्टर अपने इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट का प्रचार करने में पूरी तरह व्यस्त हैं।

अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान राजकुमार और तृप्ति ने प्रशंसकों के साथ उत्साहपूर्वक बातचीत की, सवालों के जवाब दिए और पर्दे के पीछे की कहानियां साझा कीं। इन कलाकारों का कहना है कि फिल्म की कहानी अनूठी है और इसके पात्र भी जीवंत हैं, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक रोमांचक माहौल बन गया है। प्रचार गतिविधियों में साक्षात्कार शामिल थे, जहां अभिनेताओं ने फिल्म के विषयों साथ काम करने के अपने अनुभवों और इस अभिनव परियोजना से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस पर चर्चा की, जिससे रिलीज की तारीख नजदीक आने पर उत्साह और बढ़ गया। 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' इस त्यौहारी सीजन में सभी पारिवारिक दर्शकों को लुभाने वाला होने का वादा करता है। कथावाचक फिल्म्स के सहयोग से गुलशन कुमार, टी-सीरीज, बालाजी टेलीफिल्म्स और वकाओ फिल्म्स द्वारा निर्मित 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाला प्रॉपर्टी डीलर दबोचा, पूछताछ में उगले कई बड़े राज; कोर्ट ने किया भगोड़ा घोषित

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है जिस पर धोखाधड़ी और जालसाजी के चार मामलों में कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर रखा था। आरोपित पर 25 से अधिक लोगों से 5.5 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। आरोपित जाली दस्तावेज तैयार कर एक ही संपत्ति को कई लोगों को बेचता था।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में करोड़ों की ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ठगी करने वाला कौन?

जाली दस्तावेज तैयार कर एक ही संपत्ति कई लोगों को बेचने के मामले में क्राइम ब्रांच ने एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार कर लिया है। धोखाधड़ी और जालसाजी के चार मामलों में कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। वह धोखाधड़ी और जालसाजी के पहले के सात मामलों में शामिल रहा है। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। आरोपित पर 25 से अधिक लोगों से 5.5 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है।

आइएमईआइ नंबरों की जांच की गई

डीसीपी संजय कुमार सेन के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपित का नाम किशन उर्फ अनूप कुमार है। एसीपी पवन कुमार व इंस्पेक्टर अरविंद कुमार की टीम ने आरोपित के बारे में पता लगाने के लिए 30 मोबाइल, 10 मोबाइल नंबरों की आइपीडीआर और विभिन्न आइएमईआइ नंबरों की जांच की।

वाट्सएप कॉल का कर रहा था उपयोग

इसके अलावा उसके गांव वालीपुर, एटा, यूपी और दिल्ली से उसके बारे में जानकारी विकसित करने के बाद उसे सफलता मिली। वह राज्य भर में बार-बार अपना स्थान बदल रहा था और वह खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसी के रडार से बचाने के लिए विभिन्न वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करके वाट्एएप कॉल का उपयोग कर रहा था। काफी प्रयास के बाद उसे आगरा से किशन को दबोच लिया।

साहिबाबाद में करने लगा था मजदूरी

बताया गया कि 2002 में गाजियाबाद के साहिबाबाद आकर पहले वह मजदूरी करने लगा था। बाद में उसने बुराड़ी, भलस्वा डेरी, नरेला, स्वरूप नगर और मुकुंदपुर में प्रापर्टी डीलर के रूप में काम करना शुरू कर दिया और कमीशन के आधार पर पैसा कमाता था।

जाली दस्तावेजों के जरिए की करोड़ों की ठगी

इसके बाद में उसने जाली दस्तावेज तैयार करके एक संपत्ति को अलग-अलग व्यक्तियों को बेचकर निर्दोष लोगों को धोखा देना शुरू कर दिया, जिसके कारण उसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों भलस्वा डेरी, बुराड़ी, नरेला आदि में कई शिकायतें दर्ज की गईं।

वहीं, 2020 में वह दिल्ली छोड़ हाथरस चला गया था। वर्तमान में एक साल से वह आगरा में एक कॉलेज में चपरासी के रूप में काम कर रहा था। इस मामले में अभी कई बड़े राज खुल सकते हैं।

रामलीला में रामभक्त मनीष निभा रहे रावण और मैडोना कर रही कैकेयी का किरदार

मनीष ने अपने किरदार को न केवल सजीव किया है बल्कि रावण के चरित्र की गहराई को भी उजागर किया है। मनीष कहते हैं कि रावण एक महान पंडित और महाज्ञानी था परंतु उसके अहंकार और मोह ने उसकी बुद्धि को भ्रष्ट कर दिया जिसके चलते वह भगवान श्री राम को पहचान नहीं पाया। वह कहते हैं कि हर कोई रावण को हारता हुआ देखना चाहता है

नई दिल्ली। इस समय रामलीलाओं का मंचन देश के हर हिस्से में आयोजित किया जा रहा है। वहीं देश की प्रसिद्ध अयोध्या की रामलीला की चर्चा भी कई जगहों पर है। एक तरफ इसमें जहां देश के जाने-माने बॉलीवुड कलाकार, सांसद और सेलिब्रिटी भाग ले रहे हैं तो कई ऐसे नवोदित कलाकार भी है जिन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। किसी भी रामलीला में यूं तो हर पात्र अपने आप में सबको प्रिय होता है लेकिन भगवान श्रीराम और रावण के किरदार की सबसे अधिक चर्चा रहती है और वह लोगों के केंद्र में भी रहता है। अयोध्या की रामलीला में रावण का किरदार निभा रहे मनीष ने अपने अभिनय से सबका ध्यान खींचा है। बकौल मनीष उनका यह तीसरा वर्ष है, जब उन्होंने रामलीला में रावण का किरदार निभाया है। मनीष ने अपने किरदार को न केवल सजीव किया है, बल्कि रावण के चरित्र की गहराई को भी उजागर किया है। मनीष कहते हैं कि रावण एक महान पंडित और महाज्ञानी था, परंतु उसके अहंकार और मोह ने उसकी बुद्धि को भ्रष्ट कर दिया, जिसके चलते वह भगवान श्री राम को पहचान नहीं पाया। वह कहते हैं कि उनको बेहद ख़ुशी है कि प्रभु श्री राम की लीला में उनको रावण का किरदार निभाने का मौका मिलता है।

दुबई तक फैली करोड़ों की संपत्ति, तीसरी पास जावेद की हकीकत जान पुलिस अफसर भी हैरान; एयरपोर्ट से हुआ गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली से दुबई तक जावेद मीरपुरिया की करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। उसके पास दिल्ली में दो मकान एक प्लाट दो गोदाम और दुबई में तीन बीएचके का फ्लैट है। पुलिस अब उसकी संपत्ति को जब्त करने की तैयारी में है। जावेद पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और उसे दुबई से गिरफ्तार किया गया है।

गाजियाबाद। दिल्ली में एयरपोर्ट से गिरफ्तार किए गए एक लाख रुपये के इनामी जावेद मीरपुरिया के पास दिल्ली से लेकर दुबई तक करोड़ों रूपये की संपत्ति है।

दिल्ली में दो मकान, एक प्लाट, दो गोदाम और दुबई में तीन बीएचके का फ्लैट है। दुबई के फ्लैट की कीमत जावेद ने दस करोड़ रुपये बताई है, जबकि पुलिस को सूचना है कि फ्लैट की कीमत 80 करोड़ रुपये है। पुलिस अब संपत्ति को जब्त करने की तैयारी में है।

डीसीपी सिटी राजेश कुमार ने बताया कि मोबाइल टावरों से करोड़ों के उपकरण चुराने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह के छह सदस्यों को तीन मई को गिरफ्तार किया था। गिरोह का सरगना जावेद मीरपुरिया दुबई भाग गया था। जिसके चलते उस पर एक लाख का इनाम घोषित कर लुक आउट नोटिस भी जारी कराया गया था।

बता दें कि मंगलवार रात को जावेद दुबई से दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा तो दिल्ली की स्पेशल सेल ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गाजियाबाद पुलिस ने जावेद को ट्रांजिट रिमांड पर लिया और उसकी निशानदेही पर 35 लाख रुपये के मोबाइल टावर के उपकरण बरामद किए हैं।

दिल्ली में रहता है जावेद का परिवार

वहीं, पूछताछ में पता चला कि जावेद का परिवार दिल्ली के गोकुलपुरी स्थित भागीरथी विहार में रहता है। वह तीसरी पास है, जावेद का पिता कबाड़े का काम करता था। पढ़ाई छोड़कर जावेद भी कबाड़ का काम करने लगा। इसके बाद उसने दिल्ली के यमुना विहार के अबरार के साथ कारोबार शुरू कर दिया और मोबाइल के पत्तों को जहाज के जरिये दुबई और चीन भेजता था।

बताया गया कि लॉकडाउन के बाद मुस्तफाबाद के दिनेश से वह जुड़ा, वह रेडियो रिसीवर यूनिट को विशाखापट्टनम भेजकर दुबई में सप्लाई करवाता था। दिनेश के जेल चले जाने के बाद जावेद दुबई में लेवल-थ्री कंपनी के मालिक हैदराबाद के अलीमुद्दीन और उसके माध्यम से चीन के हांगकांग में रहने वाले युवक से जुड़ा।

पुलिस के अनुसार, वह गिरोह बनाकर देश में मोबाइल टावर से आरआर यूनिट चोरी कराने लगा। 50 से 60 आरआर यूनिट इकट्ठा होने पर स्क्रैप का बिल लगाकर दुबई की कंपनी लेवल-थ्री तथा हांगकांग की कंपनी वी-फोन को भेजता था। बिल की रकम का भुगतान आनलाइन तथा बाकी रकम हवाला के माध्यम से भेजी जाती थी।

वह चोरी की एक आरआर यूनिट 60 हजार में खरीदकर 16 लाख में बेचकर करोड़पति बन गया है। आरोपित के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कर संपत्ति जब्त की जाएगी। जावेद के खिलाफ दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद में कुल सात मुकदमे दर्ज हैं।

कौन है जावेद मीरपुरिया? भारत लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार, पुलिस ने रखा था एक लाख का इनाम

गाजियाबाद। एक लाख रुपये के इनामी जावेद मीरपुरिया दुबई से भारत लौट आया है, उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया है। जावेद देश मे मोबाइल टावर की आरआर यूनिट चोरी कराकर चीन सहित अन्य देशों में बिकवाने का काम करता है। उसके खिलाफ गाजियाबाद पुलिस ने इनाम घोषित किया था। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी किया गया था।

दिल्ली के मुस्तफाबाद का रहने वाला है जावेद

दिल्ली के मुस्तफाबाद का जावेद पहले कबाड़ी का काम करता था। बाद में उसने गिरोह बनाकर चोरी की वारदात शुरू कर दी और फिर मोबाइल टावर के रेडियो रिसीवर यूनिट सहित अन्य उपकरण चोरी करने का काम शुरू किया। जब तक पुलिस उस पर शिकंजा कसती वह दुबई चला गया और वहीं से गिरोह को चलाता था।

मोबाइल टावर के उपकरण चोरी की वारदात को दिलाता था अंजाम

इस गिरोह में उसके परिवार के भी लोग शामिल थे, गाजियाबाद (Ghaziabad News) में भी मोबाइल टावर के उपकरण चोरी के मामले में जब जावेद के गिरोह के सदस्य पकड़े गए तो जावेद का

नाम सामने आया। यह भी पता चला कि वह देश मे विभिन्न जगहों पर मोबाइल टावर के उपकरण चोरी की वारदात को अंजाम दिलवाता था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद पुलिस (Ghaziabad Police) इस मामले में जावेद के 20 साथियों को गिरफ्तार कर चुकी थी। जावेद पर शिकंजा कसा जा रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस बीच वह मंगलवार रात को दुबई से भारत लौटा और लुकआउट नोटिस जारी होने के कारण उसको एयरपोर्ट पर रोका गया, सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसको गिरफ्तार किया है।

बाद में गाजियाबाद पुलिस को सौंपा

इसके बाद गाजियाबाद पुलिस दिल्ली (Delhi News) पहुंची और उसको ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गाजियाबाद आ गयी है। इसकी पुष्टि करते हुए क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर अब्दुर रहमान सिद्दीकी ने बताया कि नंदग्राम थाने में जावेद के खिलाफ केस दर्ज है, उसी केस में उसको ट्रांजिट रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

गाजियाबाद के लोनी में 8 अक्टूबर को एक दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें सास-बहू की लड़ाई देखने के लिए इकट्ठा हुई महिलाओं के ऊपर एक मकान का छज्जा टूटकर गिरा। छज्जे के मलबे में तीन महिलाएं और दो बच्ची घायल हो गई थी। सभी को अस्पताल में एडमिट कराया गया। जहां डॉक्टरों ने एक महिला को मृत करार दिया।

गाजियाबाद और नोएडा में नवमी पर नहीं खुलेंगे स्कूल, सीएम योगी ने किया सार्वजनिक अवकाश का एलान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवमी के अवसर पर 11 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। वहीं शुक्रवार को गाजियाबाद और नोएडा में सभी स्कूल और सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। वहीं नौ दिन बाद यानी 11 अक्टूबर को कन्या पूजन के बाद शारदीय नवरात्र का समापन हो जाएगा।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। दुर्गा पूजा नवमी के अवसर पर उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न संगठनों की मांग पर नवमी के अवसर पर शुक्रवार (11 अक्टूबर) को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है।

अष्टमी व नवमी पर कंजक पूजन आज, बाजारों में उपहारों की जमकर खरीदारी

तीन अक्टूबर से शुरू हुए शारदीय नवरात्र का समापन नौ दिन बाद यानी 11 अक्टूबर को कन्या पूजन के बाद हो जाएगा। इस बार अष्टमी और नवमी की तिथि एक ही दिन पड़ रही है। शास्त्रों में ऐसा माना गया है कि अष्टमी और नवमी एक ही तिथि में होना बेहद शुभ माना जाता है। कंजक पूजन के चलते बृहस्पतिवार को बाजारों में कंजकों को उपहार भेंट करने के लिए बाजारों में खरीदारी जोरों पर रही।

कन्याओं को खुश करने के लिए लोग अपने बजट के अनुसार अलग-अलग आइटम खरीद रहे हैं। जिसमें पहली पसंद गोटेदार चुनरी चूड़ियां और चॉकलेट ही है। इसके अलावा खिलौने और स्टेशनरी भी खूब खरीदी जा रही है।

नवरात्र में अलग से लगाते हैं स्टाल

भले ही कोई नवरात्र का व्रत रखे या न रखे, अष्टमी व नवमी पर कंजक पूजन जरूर करते हैं। इसके चलते जवाहर नगर कैंप मार्केट, मेन बाजार, मीनार गेट, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मार्केट, गुप्तागंज सहित सभी बाजारों में रौनक रही। जनरल स्टोर के मालिक मुकेश ने बताया कि कंजक को दिए जाने वाले उपहार समय के साथ बदले हैं। कंजक पूजन के लिए चूड़ियों के सामान में भी कई की वैरायटी उपलब्ध हैं। अष्टमी व नवमी को देखते हुए उपहारों का अलग से स्टाल लगाया गया है।

कंजक पूजन के बिना अधूरा है व्रत

नवरात्र में बिना कन्या पूजा के व्रत अधूरा माना जाता है। कंजक पूजन अष्टमी या फिर नवमी के दिन की जाती है। इन दिनों नौ कन्याओं को देवी के नौ स्वरूप माने जाते हैं और इनकी पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में कुंवारी कन्याओं को मां दुर्गा के समान पवित्र और पूजनीय माना गया है। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा पूजा पाठ से इतनी खुश नहीं होती जितनी खुश वह तब होती है जब किसी कन्या का पूजन किया जाता है।

खोंटा मंदिर के पुजारी पंडित राकेश शास्त्री ने बताया कि उदया तिथि के अनुसार इस बार अष्टमी और नवमी तिथि का व्रत 11 अक्टूबर के दिन रखा जाएगा। इस अनुसार कन्या पूजन 11 अक्टूबर को किया जाना चाहिए। आश्विन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 31 मिनट से शुरू होगी और 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 06 पर समाप्त होगी। इसके बाद नवमी तिथि लग जाएगी, जो 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 57 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। ऐसे में नवरात्रि की अष्टमी और नवमी का व्रत 11 अक्टूबर को ही रखा जाएगा।

गाजियाबाद के विकास को मिलेगी रफ्तार, नगर निगम खर्च करेगा 1795 करोड़ रुपये

गाजियाबाद शहर के विकास कार्यों को रफ्तार मिलेगी। इसके लिए गाजियाबाद नगर निगम ने साल 2024-25 के लिए 1795 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। इस बजट में विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा नगर निगम ने सड़कों पर लगने वाले पैठ बाजार के लिए नियमावली बनाने का भी फैसला किया गया है।

गाजियाबाद। शहर के विकास को रफ्तार देने के लिए नगर निगम साल 2024-25 में 1795 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके अलावा विभिन्न मदों में 1592 करोड़ आय प्रस्तावित है। बुधवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक में साल 2024-25 का बजट भी पेश किया गया, जो सर्वसम्मति से पास हुआ। दरअसल, पिछले साल के बजट से 508 करोड़ निगम कोष में बचे हुए हैं।

इस साल आय 1592 करोड़ प्रस्तावित है। इस तरह निगम के कोष में 2100 करोड़ की धनराशि होगी। इसमें में 1592 करोड़ विभिन्न विकास कार्यों में खर्च करने बाद 304 करोड़ निगम के कोष में शेष बचेंगे। साल 2024-25 के बजट में निर्माण विभाग को 194 करोड़ 40 लाख, जलकल विभाग को 139 करोड़ 60 लाख, प्रकाश विभाग को 33 करोड़ से ज्यादा का बजट मिला।

लोन भुगतान के लिए 80 करोड़ बजट आवंटित

स्वास्थ्य विभाग एवं नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर सबसे अधिक 213 करोड़ 40 लाख, उद्यान विभाग को 60 करोड़ 50 लाख, शिक्षा, खेल कूद के लिए सात करोड़, संपत्ति एवं प्रवर्तन विभाग को 2.36 करोड़ 65 लाख, विधि विभाग को 2.50 करोड़, सामान्य प्रशासन कार्मिक नजारत लेखा कार्य के लिए 149 करोड़ 85 लाख,

ऋण भुगतान के लिए 80 करोड़ व शासकीय अनुदान व अन्य मदों के लिए 911 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।

सड़कों पर पैठ बाजार के लिए नियमावली बनाएगा निगम

बोर्ड बैठक में मेयर सुनीता दयाल की अनुमति के बाद एजेंडे के अतिरिक्त प्रस्ताव रखे गए, जो सर्वसम्मति से पास हुए। एक प्रस्ताव सड़कों पर लगने वाले पैठ बाजार के लिए नियमावली बनाने का था। इस पर मेयर ने कहा कि निगम की चौड़ी सड़क पर अतिक्रमण कर पैठ बाजार लगाए जाते हैं। पैठ बाजार में बेंच डालने वाली वसूली करते हैं। इसके लिए पैठ बाजार नियमावली बनाई जाएगी।

अतिक्रमण की समस्या पर रहा जोर

इससे कब-कब, कहां बाजार सड़कों पर लगेगा। इसकी अनुमति निगम देगा। इसके अलावा पैठ बाजार में बेंच डालने का काम करने वालों को भी निगम से लाइसेंस लेना होगा। सभी पार्षदों ने सहमति दी, जिसके बाद यह प्रस्ताव पास हो गया। चिरंजीव विहार के पार्षद मनोज त्यागी, शास्त्रीनगर के पार्षद अमित त्यागी व रजापुर की पार्षद ने क्षेत्र में सड़कों पर ठेली वालों के अतिक्रमण का मुद्दा सदन के सामने रखा।

इसके अलावा हापुड़ रोड़ व हरसांव के बाहर से प्रशासन द्वारा हटाए गए फल वालों द्वारा शास्त्री नगर के विभिन्न मार्गो पर ठेली खड़ी कर रास्ता जाम करने व लोगों को होने वाली परेशानी से अवगत कराया। इसके संबंध में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर इन्हें हटाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में उठा शिक्षकों को सेवानिवृत्त करने का प्रस्ताव

वहीं शिप्रा सनसिटी इंदिरापुरम के पार्षद संजय सिंह ने नगर निगम के स्कूलों में 60 वर्ष की आयु पार कर चुके शिक्षकों के पढ़ाने का मुद्दा उठाते हुए 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके शिक्षकों को सेवानिवृत्त करने का प्रस्ताव रखा। मेयर व पूरे सदन ने इस पर सहमति जाहिर करते हुए कहा कि शासन के नियमों को अनुसार 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके शिक्षकों को सेवानिवृत्त किया जाएगा।

सड़कों पर बिल्डिंग मैटिरियल रखकर बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव भी बोर्ड बैठक में पास हुआ। वहीं पार्षद अमित त्यागी ने शास्त्री नगर के अलावा शहर के अन्य श्मशानों पर निगम कर्मचारियों के तैनात न होने के कारण अंतिम संस्कार के पंजीकरण में अनियमितता होने का मुद्दा उठाया।

पार्षद ने उठाया बैठक को हाईजैक करने को मुद्दा

उन्होंने कहा कि पंजीकरण न होने के कारण लोगों को मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में समस्या होती है। इस पर नगर आयुक्त व मेयर ने व्यवस्था दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया। वहीं पार्षद नरेश जाटव ने कुछ पार्षदों द्वारा बोर्ड बैठक को हाईजैक करने को मुद्दा उठाया।

इस पर भाजपा पार्षदों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। मेयर व कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि बोर्ड बैठक में सभी पार्षदों को अपनी बात रखने का अधिकार है। इसीलिए सभी को मौका दिया जाता है। हालांकि उन्होंने महिला पार्षदों को अपनी बात रखने के लिए कहा।

तमाम दुष्प्रचार के बावजूद दलितों की पसंदीदा पार्टी कैसे बन गयी भाजपा?

नीरज कुमार दुबे

इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया था जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है।

कांग्रेस की ओर से भाजपा पर अक्सर आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया जाता है। इसी आरोप की वजह से लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ा नुकसान भी हुआ और वह अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत हासिल करने से चूक गयी। लेकिन उसके बाद मोदी सरकार ने सबक लिया और एक भी ऐसा अवसर नहीं आने दिया जब दलितों के मन में अपने आरक्षण को लेकर कोई शंका हो पैदा हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की वजह से एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपीं तो मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि डॉ. भीम राव आंबेडकर के बनाये संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह स्पष्टीकरण आरक्षण के मुद्दे को लेकर समाज में भ्रम फैलाने वालों पर करारी चोट कर गया।

इसके अलावा, इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। विपक्ष के इस हमले पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लेटरल भर्ती विज्ञापन को रद्द करने के निर्देश दिये। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और इसमें सुधार किया जायेगा। सरकार ने साथ ही देश को यह भी बताया कि लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्तियों की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। यह विषय भी दलितों और पिछड़ों को आश्वस्त कर गया कि मोदी के रहते आरक्षण को कोई खतरा नहीं है।

इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा बयान दे दिया जिससे कि भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया। दरअसल विदेश दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने की बात कह दी। उनका यह बयान देखते ही देखते वायरल हो गया। कांग्रेस और राहुल गांधी तमाम सफाई और स्पष्टीकरण देते रहे लेकिन यह मुद्दा तूल पकड़ चुका था। राहुल गांधी के इस बयान को इस तरह से पेश किया गया जैसे कांग्रेस तत्काल आरक्षण खत्म करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद अपनी हर सभाओं में कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस कान खोलकर सुन ले... जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रत्ती भर भी लूट करने नहीं दूंगा। भाजपा ने आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान से उपजे विवाद को खूब तूल दिया जिससे कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों में नुकसान उठाना पड़ा है।

अगर आप जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि भाजपा ने जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सात सीटों पर कब्जा

कर लिया है जबकि हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 17 में से आठ सीटों पर कब्जा किया है। यह दर्शाता है कि दलित समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ फिर खड़ा हो गया है। हम आपको याद दिला दें कि 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पांच सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें जीती थीं। जम्मू और कश्मीर में 2014 के विधानसभा चुनावों में (2022 में परिसीमन से पहले जिसके परिणामस्वरूप सीटें 83 से बढ़कर 90 हो गईं) भाजपा ने जम्मू में एससी के लिए आरक्षित पांच सीटें जीतीं थीं और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। चुनाव परिणाम वाले दिन जब शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पर विजयी संबोधन दिया था तब उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के दमदार प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला था।

देखा जाये तो हरियाणा में कांग्रेस को दलितों की भारी नाराजगी का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री और हरियाणा में पार्टी के सबसे बड़े दलित चेहरे कुमारी शैलजा की बजाय भूपिंदर सिंह हुड्डा को सीएम पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया। हम आपको याद दिला दें कि हुड्डा के पिछले दो कार्यकालों की पहचान जाटों के दबदबे के रूप में की जाती है। हुड्डा के कार्यकाल में दलितों के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं, विशेषकर मिर्चपुर में दो दलितों की हत्या की घटना लोगों के मन में ताजा थीं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान इन घटनाओं का जिक्र तो किया ही साथ ही कांग्रेस पर दलित पृष्ठभूमि के कारण शैलजा को हाशिए पर रखने का आरोप भी लगाया। भाजपा ने राज्य में दलितों के उप-वर्गीकरण की मांग का भी समर्थन किया।

बहरहाल, देखा जाये तो 2014 से मोदी सरकार की ओर से ₹समावेशी विकास₹ पर ध्यान केंद्रित करने के कारण अनुसूचित जाति के वर्गों में भाजपा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बना है। कांग्रेस ने 'आरक्षण और संविधान पर खतरे' की जो कहानी बुनी थी वह भले ही लोकसभा चुनाव में काम कर गई हो, लेकिन इसकी गूंज अब खत्म होती जा रही है। भाजपा दलितों के मन में यह बात बिठाने में कामयाब रही है कि बाबा साहेब द्वारा संविधान के माध्यम से दिये गये आरक्षण से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता और प्रधानमंत्री मोदी के रहते कोई आरक्षण को खत्म नहीं कर सकता।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

रतन टाटा के गैराज में थी कई लग्जरी गाड़ियां, दिल के करीब थी सिर्फ 2 कार

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति Ratan Tata का देहांत हो गया है। उन्होंने अपनी अंतिम सांस मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में ली। उन्होंने दुनिया की सबसे सस्ती कार Tata Nano को लॉन्च किया था। यह उनके दिल के काफी करीब थी। आइए जानते हैं कि Ratan Tata कलेक्शन में और कौन-सी गाड़ियां शामिल थी।

नई दिल्ली। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति Ratan Tata का 9 अक्टूबर की रात को देहांत हो गया। उन्होंने 86 साल की उम्र में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। रतन टाटा ने टाटा मोटर्स समेत अन्य कंपनियों को बुलंदियों तक पहुंचाया है। भारतीय बाजार में Tata Motors ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। जिस रतन टाटा मोटर्स को बुलंदियों के शिखर तक पहुंचाया उनके कार कलेक्शन में आखिर कौन-कौन सी गाड़ियां थी। आइए जानते है इसके बारे में।

दिल के करीब ये कार

रतन टाटा के कार कलेक्शन में एक नहीं बल्कि कई शानदार गाड़ियां हैं। इनमें दो गाड़ियां ऐसी है जो उनके दिल के काफी करीब थी। भले ही टाटा मोटर्स के प्रोडक्शन लाइनअप से Tata Nano को हटा दिया गया है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, रतन टाटा के गैराज में टाटा नैनो भी थी। टाटा नैनो उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था, जिसे निम्न आय वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया था। इसकी कीमत 1 लाख रुपये थी। वहीं, यह दुनिया की सबसे सस्ती कार भी थी। इस छोटी कार ने रतन टाटा के दिल में खास जगह बनाई थी।

टाटा नैनो के साथ ही 1998 में लॉन्च हुई Tata Indica भी उनकी खास कार में से एक रही। उन्होंने 2023 में टाटा इंडिका की 25वीं सालगिरह पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था कि टाटा इंडिका भारत की पहली स्वदेशी कार थी। साथ ही यह भी लिखा कि यह कार उनके बेहद दिल के करीब थी।

गाय के गोबर से सीएनजी

परिवहन विशेष न्यूज

गाय के गोबर से भी सीएनजी बनाई जाएगी। इसके लिए हाल ही में मध्य प्रदेश में पहला प्लांट लगाया गया है। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया। दावा यह भी किया गया है कि मध्य प्रदेश के ग्वालियर नगर निगम की गाड़ियां भी इसी सीएनजी से चलेंगी।

सीएनजी की मांग लगातार बढ़ रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए अब तक सड़ी-गली सब्जियों से बायो-सीएनजी बनाई जा रही थी। देश के कई राज्यों में इसके प्लांट पहले से ही चल रहे हैं। अब मध्य प्रदेश ने गाय के गोबर से सीएनजी बनाने की तैयारी कर ली है। ग्वालियर के बड़ी टिपरा स्थित गौशाला में यह प्लांट लगाया गया है।

गाय के गोबर से सीएनजी बनाने के लिए प्लांट लगाना पड़ता है। इसमें कई तरह की मशीनें लगाई जाती हैं। इनमें VPSA यानी वैक्यूम प्रेशर स्विंग एडजॉर्प्शन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इसके जरिए सबसे पहले गोबर को शुद्ध किया जाता है और फिर मीथेन गैस निकाली जाती है। इसके बाद मीथेन को कंप्रेस करके सिलेंडर में भरा जाता है। मशीनों के जरिए CO_2 और H_2S जैसी अशुद्धियों को हटाया जाता है। इस तरह बायो सीएनजी तैयार होती है।

सबसे बड़ी गौशाला मध्य प्रदेश के ग्वालियर में लाल टिपरा में है। यह एक आदर्श गौशाला है, वर्तमान में यहाँ करीब 10 हजार मवेशी हैं। अगर रोजाना के हिसाब से देखें तो यहाँ करीब 100 टन गोबर निकलता है। इसीलिए प्लांट लगाने के लिए इसी गौशाला को चुना गया। विशेषज्ञों के मुताबिक 100 टन गोबर से करीब 2 टन बायो सीएनजी तैयार की जा सकती है। सीएनजी बनाने के बाद जो गोबर बचता है, उसका इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश सरकार ने अब तक जो योजना बनाई है उसके मुताबिक, गोबर से बनने वाली सीएनजी का इस्तेमाल ग्वालियर नगर निगम के वाहनों को चलाने में किया जाएगा। इसके अलावा जो गैस बचेगी उसे भी आम जनता को इस्तेमाल के लिए दिया जाएगा। इस प्लांट पर करीब 33 करोड़ रुपए की लागत आई है। इससे पहले मध्य प्रदेश के इंदौर में बायो-सीएनजी बनाने का प्लांट लगाया गया था, लेकिन उसमें गीले कचरे से बायो-सीएनजी बनाई जाती है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने ओला इलेक्ट्रिक के उपभोक्ता मुद्दों पर एआरएआई से मांगी टिप्पणियां

परिवहन विशेष न्यूज

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए ओला इलेक्ट्रिक को केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा कारण बताओ नोटिस दिए जाने के बाद भारी उद्योग मंत्रालय ने इस मुद्दे पर ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) से टिप्पणियां मांगी हैं।

मंत्रालय ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि ओला इलेक्ट्रिक पीएम ई-ड्राइव योजना का लाभार्थी है, जो इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खरीद पर मांग सब्सिडी प्रदान करती है। एआरएआई फेम और पीएम ई-ड्राइव योजना के लिए परीक्षण एजेंसी है और यह योजना के तहत पात्रता प्रमाण पत्र जारी करती है।

मंत्रालय ने एआरएआई को पत्र भेजकर जल्द से जल्द टिप्पणी मांगी है। ओला इलेक्ट्रिक के दो इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 प्रो, एस1 एयर और एस1 एक्स सरकारी योजना के तहत मांग सब्सिडी के लिए पात्र हैं।

मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक एक पत्र में मंत्रालय ने एआरएआई को बताया, 'फेम II और पीएम ई-ड्राइव योजना के अनुसार प्रत्येक ओईएम को ग्राहकों की समस्याओं को हल करने के लिए सर्विस सेंटर बनाए रखना आवश्यक है। इसके अलावा ओला इलेक्ट्रिक सहित सभी ओईएम द्वारा इन दो योजनाओं के तहत वारंटी भी प्रदान की जाती है।"

सोमवार, 07 अक्टूबर को केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने ओला इलेक्ट्रिक को कारण बताओ नोटिस जारी किया और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करने, अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल होने और भ्रामक विज्ञापन जारी करने के आरोपों का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पोर्टल के अनुसार, प्राप्त लगभग 10,000 शिकायतों में से उपभोक्ताओं द्वारा उठाए गए सबसे आम मुद्दे सेवा और मरम्मत में देरी के बारे में थे, जिनकी कुल संख्या 3,664 थी।

नये वाहनों की डिलीवरी में देरी के बारे में लगभग 1,899 शिकायतें हैं, साथ ही वादा की गई सेवाएं प्रदान नहीं किए जाने के बारे में भी 1,459 शिकायतें हैं।

इसके अतिरिक्त आंकड़ों के अनुसार, 761 ग्राहकों ने अपने वाहनों में विनिर्माण संबंधी दोष की सूचना दी, तथा 672 ग्राहक उपभोक्ता हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने के बाद कंपनी की प्रतिक्रिया से असंतुष्ट थे।

क्वांटम एनर्जी ने आगरा, लखनऊ और कानपुर में नए शोरूम के साथ ईवी नेटवर्क का किया विस्तार

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक स्कूटर में विशेषज्ञता रखने वाली इलेक्ट्रिक दो पहिया स्टार्टअप क्वांटम एनर्जी ने उत्तर प्रदेश में तीन नए शोरूम का उद्घाटन किया है, जिससे राज्य में इसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है। आगरा, लखनऊ और कानपुर में नए शोरूम के साथ उत्तर प्रदेश में क्वांटम एनर्जी के आउटलेट की कुल संख्या बढ़कर पाँच हो गई है, जबकि कंपनी का अखिल भारतीय नेटवर्क अब 68 स्थानों तक फैला हुआ है। यह विस्तार क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्वांटम एनर्जी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आगरा में टीएनटी मोटर्स, लखनऊ में एलटी ऑटो सेल्स और कानपुर में एयरो मोटर्स के तहत संचालित नए खुले शोरूम ग्राहकों को प्लाज्मा, मिलान और बिज़नेस मॉडल सहित क्वांटम एनर्जी के इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज तक पहुँच प्रदान करते हैं। इन मॉडलों को भारतीय बाजार में विभिन्न प्रकार की आवागमन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें उन्नत तकनीक, आकर्षक डिज़ाइन और पर्यावरण के अनुकूल सुविधाएँ शामिल हैं। इस रणनीतिक विस्तार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में टिकाऊ गतिशीलता समाधानों की बढ़ती मांग का समर्थन करना है, जहाँ इलेक्ट्रिक वाहनों में रुचि बढ़ रही है।

क्वांटम प्लाज्मा और प्लाज्मा एक्सआर मॉडल, दोनों 1500 वॉट मोटर द्वारा संचालित हैं, जिनकी अधिकतम गति 65 किमी/घंटा है और एक पूर्ण बैटरी चार्ज पर 110 किमी तक की प्रभावशाली रेंज प्रदान करते हैं। 1000 वॉट मोटर द्वारा संचालित मिलान मॉडल 60 किमी/घंटा की शीर्ष गति तक पहुंचता है और एक चार्ज पर 100 किमी तक की रेंज प्रदान करता है। Bziness X मॉडल 1200 वॉट मोटर से लैस है, इसकी शीर्ष गति 55 किमी/घंटा है, और एक पूर्ण चार्ज पर 110 किमी तक की रेंज प्रदान करता हैं।

शोरूम के उद्घाटन के दौरान क्वांटम एनर्जी की प्रबंध निदेशक श्रीमती चक्रवर्ती सी. ने उत्तर प्रदेश में कंपनी के विस्तार को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने राज्य भर में इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ती रुचि पर ध्यान दिया और इस बात पर जोर दिया कि क्वांटम एनर्जी के उन्नत इलेक्ट्रिक स्कूटर इस मांग को पूरा करने के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, त्यौहारी सीजन के उपलक्ष्य में कंपनी अपने प्लाज्मा एक्स और प्लाज्मा एक्सआर मॉडल पर ₹20,000 तक की सीमित समय की छूट दे रही है, जिससे ग्राहकों को टिकाऊ परिवहन समाधान अपनाने का अवसर मिलेगा।

कुसलवा इंटरनेशनल की सहायक कंपनी के रूप में, क्वांटम एनर्जी अग्रणी मूल उपकरण निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण इंजन घटकों के निर्माण में दशकों के अनुभव पर आधारित है। अक्टूबर 2022 में अपनी शुरुआत के बाद से कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है। 10,000 वाहनों की बिक्री को पार कर लिया है और 57वें स्थान से चढ़कर भारत के शीर्ष 10 ईवी दोपहिया ब्रांडों में स्थान प्राप्त किया है। यह विस्तार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में क्वांटम एनर्जी की निरंतर प्रगति का प्रमाण है।

तेलंगाना ने पेश की वाहन स्क्रैपेज नीति

परिवहन विशेष न्यूज

तेलंगाना ने अपने राज्य में स्वैच्छिक वाहन बेड़े आधुनिकीकरण नीति (VVMP) नामक वाहन स्क्रैपेज नीति की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य 'जीवन के अंत तक पहुँच चुके वाहनों' को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है और यह मोटर वाहन अधिनियम 1988 में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुरूप है।

इस नीति के तहत आठ साल से पुराने परिवहन वाहनों और 15 साल से पुराने गैर-परिवहन वाहनों को स्क्रैप करने वाले मालिकों को उसी श्रेणी के नए वाहन खरीदते समय कर रियायतें मिलेंगी। तेलंगाना सरकार ने इन वाहनों के लिए बकाया ग्रीन टैक्स और तिमाही करों पर जुर्माना भी माफ कर दिया है, बशर्ते कि इन्हें नीति की अधिसूचना के दो साल के भीतर स्क्रैप कर दिया जाए।

इस नीति के तहत 5 लाख रुपये तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले नए दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 5,000 रुपये तक की कर छूट मिलेगी। इसी तरह चार पहिया वाहन खरीदने वालों को नए वाहन की एक्स-शोरूम कीमत के आधार पर 50,000 रुपये तक की कर छूट मिल सकती है।

इसके अतिरिक्त नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि 15 वर्ष से अधिक पुराने सरकारी वाहनों को ई-नीलामी के माध्यम से स्क्रैप किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, राज्य ने कई स्थानों पर पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाएं (आरवीएसएफ) स्थापित करने की भी पुष्टि की है। राज्य भर में लगभग 37 स्वचालित परीक्षण स्टेशन होंगे, जो क्षेत्रीय परीक्षण कार्यालयों में मैन्युअल परीक्षण को समाप्त कर देंगे। राज्य ने इन दोनों पहलों के लिए 296 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

चंडीगढ़ में हर 20 किमी पर मिलेगा ईवी चार्जिंग स्टेशन

परिवहन विशेष न्यूज

चंडीगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए अब लंबी दूरी की यात्रा आसान हो जाएगी। केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ समेत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नई गाइडलाइन जारी करते हुए हर 20 किलोमीटर पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। इससे इलेक्ट्रिक कार और बाइक सवारों को अब यात्रा के दौरान चार्जिंग की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

केंद्र सरकार ने 2024 गाइडलाइन के तहत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने और उसके संचालन के लिए नई रूपरेखा तैयार की है। इन गाइडलाइन के मुताबिक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण अनिवार्य किया गया है। यह पहल देशभर में चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने के लिए अहम साबित होगी। अगर किसी को चंडीगढ़ से दिल्ली या दिल्ली से शिमला जाना है तो उसे अब हर 20 किलोमीटर पर चार्जिंग प्वाइंट की सुविधा मिलेगी।

चंडीगढ़ में 10 किलोमीटर के दायरे में पहले से ही 14 चार्जिंग स्टेशन चालू हैं और जल्द ही 4-5 और स्टेशन स्थापित किए जाने की उम्मीद है। प्रशासन ने कहा है कि नागरिक 'इलेक्ट्रिया' मोबाइल ऐप के ज़रिए इन चार्जिंग स्टेशनों के बारे में रियल-टाइम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऐप डाउनलोड करने पर उपयोगकर्ताओं को चार्जिंग स्टेशनों की संख्या, उपलब्ध चार्जिंग प्वाइंट्स और चार्जिंग दरों के बारे में जानकारी मिलेगी।

अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में बहुत कम लोग सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का उपयोग कर रहे हैं, क्योंकि अधिकांश लोग अपने ईवी को घर पर ही चार्ज करते हैं। इसके अलावा स्मार्ट चार्जर पर भी काम चल रहा है, जिससे चार्जिंग की लागत कम होगी।

चंडीगढ़ के ईवी चार्जिंग स्टेशनों को सुरक्षा चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। मार्च में चोरों ने सेक्टर-42 के न्यू लेक स्थित पाम गार्डन स्थित चार्जिंग स्टेशन से नौ फास्ट चार्जिंग मशीनें चुरा लीं। इसके अलावा जीएमएसएच-16 में चार्जिंग गन चोरी होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इन घटनाओं में करीब 2.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

केंद्र सरकार ने चार्जिंग स्टेशनों के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अनिवार्य कर दिया है, जिसमें अग्नि सुरक्षा और विद्युत खतरों से बचाव के उपाय भी शामिल हैं। दिशा-निर्देशों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने की भी बात कही गई है। इससे न सिर्फ ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार होगा बल्कि यात्रा के दौरान चार्जिंग की समस्या भी खत्म हो जाएगी।कुल मिलाकर देखा जाए तो रेलवे फ्यूल सोर्स के रूप में हाइड्रोजन का इस्तेमाल कर ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है। इससे लागत में भी कमी आएगी और प्रदूषण भी कम होगा।

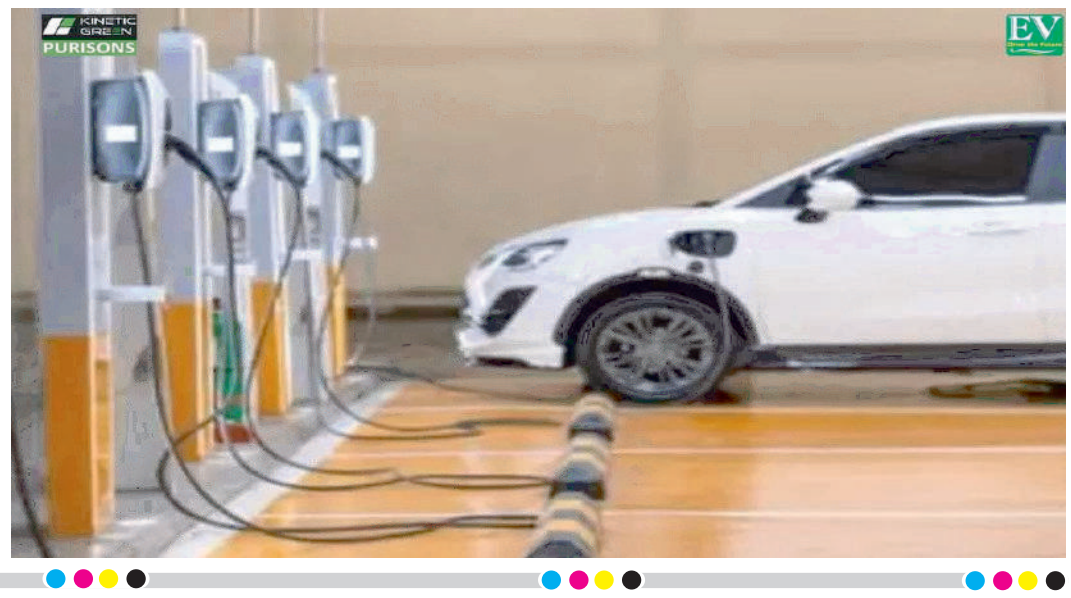

कैरियर काउंसलिंग कैसे फोकस को प्रतिस्पर्धा से योग्यता की ओर स्थानांतरित कर सकती है?

विजय गर्ग

जवाब में, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में अधिक बात करने के लिए, हमारे शैक्षिक प्रतिमानों पर पुनर्विचार करने और कैरियर परामर्श पर ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता है। आईसी3 मूवमेंट के संस्थापक गणेश कोहली ने साझा किया है कि कैसे करियर काउंसलिंग छात्रों की ताकत पर ध्यान केंद्रित करके सीखने में बदलाव लाती है। शैक्षणिक ग्रेड से परे सफलता को पुनः परिभाषित करना परंपरागत रूप से, सफलता को अक्सर उच्च ग्रेड और शैक्षणिक उपलब्धियों से मापा जाता है।

यह योग्यता-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देता है, जिससे छात्रों को एक सफल और पूर्ण भविष्य के लिए वास्तविक दुनिया के कौशल विकसित करने में मदद मिलती है बढ़ती प्रतिस्पर्धी शैक्षिक गतिशीलता में, छात्रों को आमतौर पर उनकी वास्तविक क्षमता और प्रतिभा की खोज और उस पर काम करने के बजाय ग्रेड के पीछे भागने के लिए मजबूर किया जाता है। सामाजिक दबावों और संस्थागत अपेक्षाओं के कारण अच्छे ग्रेड की निरंतर खोज ने कई छात्रों को अभिभूत कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः वे तनावग्रस्त और दिशाहीन महसूस करने लगे हैं। प्रतिस्पर्धा की संस्कृति ने न केवल व्यक्तिगत विकास को रोक दिया है, बल्कि छात्र आत्महत्याओं में भी वृद्धि हुई है - IC3 संस्थान की हालिया रिपोर्ट, छात्र आत्महत्याएं: एक महामारी व्यापक भारत खंड 2 में इस संकट पर प्रकाश डाला गया है। जहां दुनिया भर में किशोरों की मौत का नंबर एक कारण सड़क दुर्घटनाएं हैं, वहीं भारत में यह आत्महत्या है। इसके अतिरिक्त, पिछले दशक में, भारत में 0-24 वर्ष के बच्चों की आबादी 582 मिलियन से थोड़ी कम होकर 581 मिलियन हो गई है, फिर भी छात्र आत्महत्याओं की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, जो 6,654 से बढ़कर 13,044 हो गई है। इसके अलावा, जबकि पिछले 10 और 20 वर्षों में भारत में कुल आत्महत्याओं में सालाना औसतन 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, छात्र आत्महत्याएं उस दर से दोगुनी दर से बढ़ी हैं, यानी सालाना 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जवाब में, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में अधिक बात करने के लिए, हमारे शैक्षिक प्रतिमानों पर पुनर्विचार करने और कैरियर परामर्श पर ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता है। आईसी3 मूवमेंट के संस्थापक गणेश कोहली ने साझा किया है कि कैसे करियर काउंसलिंग छात्रों की ताकत पर ध्यान केंद्रित करके सीखने में बदलाव लाती है। शैक्षणिक ग्रेड से परे सफलता को पुनः परिभाषित करना परंपरागत रूप से, सफलता को अक्सर उच्च ग्रेड और शैक्षणिक उपलब्धियों से मापा जाता है। हालाँकि, कैरियर परामर्श दक्षताओं के व्यापक स्पेक्ट्रम की कल्पना करके सफलता को फिर से परिभाषित करता है। यह महत्वपूर्ण सोच, संचार, रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है - कौशल जो आधुनिक दुनिया की जटिलताओं से बचने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कैरियर परामर्शदाताओं के साथ काम करके, छात्र अपनी ताकत, कमजोरियों, रुचियों, पसंद, नापसंद और बहुत कुछ के बारे में बेहतर समझ प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यक्तिगत मार्गदर्शन उन्हें यह समझने में मदद करता है कि सफलता अकादमिक प्रदर्शन से कहीं आगे तक फैली हुई है; इसमें वास्तविक दुनिया के संदर्भों में कौशल हासिल करना शामिल है। हमारे छात्रों को उनके भविष्य में सफल होने में मदद करने के लिए, प्रत्येक शिक्षक को एक कैरियर और कॉलेज परामर्शदाता के रूप में तब्दील किया जाना चाहिए, जो न केवल शैक्षणिक मार्गदर्शन बल्कि भावनात्मक समर्थन भी प्रदान करता है। करियर काउंसलिंग युवाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में अर्थ और उद्देश्य खोजने में मदद कर सकती है, जिससे सीखने को एक कामकाज के बजाय एक आनंदमय अनुभव में बदल दिया जा सकता है। हमें अपने शैक्षणिक संस्थानों में आनंद को सीखने से अलग करने के बजाय सीखने की प्रक्रिया में आनंद को शामिल करना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 लोगों को योग्यता-आधारित शिक्षा की ओर प्रेरित करके इस बदलाव का समर्थन करती है। करियर काउंसलिंग के महत्व को पहचानते हुए, एनईपी 2020 मिडिल स्कूल से शुरू होने वाले छात्रों के लिए करियर काउंसलिंग स्थापित करने पर भी जोर देता है। यह नीति उन्हें विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जागरूक होने और सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, जिससे उन्हें एक सर्वांगीण कौशल प्राप्त करने में मदद मिलती है जो उन्हें भविष्य में कठिनाइयों के लिए तैयार करती है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास की दिशा में छात्रों का मार्गदर्शन करना प्रत्येक छात्र अद्वितीय है,विशिष्ट शक्तियों, रुचियों और सीखने की शैलियों के साथ। कैरियर परामर्शदाता मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, आत्म-खोज और व्यावसायिक विकास की जटिलताओं के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं। वे छात्रों को यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करने, विकास की मानसिकता को बढ़ावा देने और जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए लचीलापन बनाने में सहायता करते हैं। यह वैयक्तिकृत दृष्टिकोण छात्रों को उनके प्रोफाइल के अनुरूप पाठ्यक्रम, पाठ्येतर गतिविधियों और कैरियर पथ चुनने में सक्षम बनाता है। IC3 संस्थान के आगामी छात्र क्वेस्ट सर्वेक्षण के प्रारंभिक निष्कर्ष व्यक्तिगत कैरियर परामर्श के महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर करते हैं। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि कैरियर परामर्श प्राप्त करने वाले अधिकांश छात्रों ने महसूस किया कि इससे उन्हें यथार्थवादी और प्राप्त करने योग्य कैरियर लक्ष्य निर्धारित करने में मदद मिली। बदले में, इससे उनकी शैक्षणिक व्यस्तता और प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। शिक्षा को वैयक्तिकृत करके, करियर परामर्श छात्रों को अपने सीखने और करियर पथ पर स्वामित्व लेने का अधिकार देता है, जिससे अधिक संतुष्टिदायक और सफल परिणाम प्राप्त होते हैं। शिक्षा प्रणाली में योग्यता-आधारित शिक्षा को एकीकृत करने की रणनीतियाँ प्रतिस्पर्धा-आधारित मॉडल से दक्षताओं पर केंद्रित मॉडल में स्थानांतरित करने के लिए, हमारी शिक्षा प्रणाली में कई रणनीतियों को लागू किया जा सकता है, जिनमें शामिल हैं: 1. प्रणालीगत परामर्श: प्रत्येक स्कूल गतिविधि में कैरियर और कॉलेज परामर्श को एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है - कक्षा पाठ, असेंबली, खेल दिवस, वार्षिक दिवस, आदि। छात्रों को उद्देश्य और उनकी क्षमता खोजने में मदद करने के लिए परामर्श को एक केंद्रीय कार्य बनाना सर्वोपरि है। 2. स्कूल के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण देना: स्कूल के प्रत्येक शिक्षक और प्रधानाचार्य को प्रशिक्षण और परामर्श की उचित समझ की आवश्यकता होती है जो उन्हें अपने पाठ्यक्रम और गतिविधियों में परामर्श को एकीकृत करने में सक्षम बनाती है। प्रत्येक शिक्षक का प्रयास छात्रों को कक्षा के पाठों को वास्तविक दुनिया से जोड़ने में मदद करना होना चाहिए। 3. प्रेम-आधारित बनाम भय-आधारित दृष्टिकोण: एक छात्र शायद ही कभी विषय से प्यार करता है या नफरत करता है, वे अपने शिक्षक से प्यार या नफरत करते हैं। जबकि परीक्षा परिणाम महत्वपूर्ण हैं, जो छात्र अपने विषयों से प्यार करते हैं वे उन लोगों की तुलना में बेहतर परिणाम देते हैं जो परीक्षाओं से डरते हैं। परामर्श संदर्भ लाता है, जो इस प्रेम-आधारित दृष्टिकोण को लागू करने की कुंजी है। 4. वास्तविक पाठ्यक्रम के रूप में पाठ्येतर: प्रत्येक शौक और मनोरंजक गतिविधि जिसमें छात्र शामिल होता है वह सर्वोत्तम आधार है जिस पर पाठ्यक्रम को लपेटा जा सकता है। जो छात्र करियर काउंसलिंग से लाभान्वित होते हैं, वे 21वीं सदी के रोजगार बाजार की विशाल मांगों को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं। वे संचार, टीम वर्क और अनुकूलनशीलता जैसे महत्वपूर्ण कौशल के साथ स्नातक होते हैं, जो किसी भी कैरियर क्षेत्र में सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह व्यापक तैयारी अधिक लचीला, नवीन और उत्पादक कार्यबल को बढ़ावा देती है, जो व्यापक अर्थव्यवस्था में विकास और नवाचार को बढ़ा सकती है। एनईपी 2020 और शिक्षा मंत्रालय के उम्मीद दिशानिर्देशों जैसी अन्य प्रगतिशील नीतियों द्वारा समर्थित, ये रणनीतियाँ अधिक गतिशील, छात्र-केंद्रित शिक्षा प्रणाली के निर्माण में मदद कर सकती हैं।

राय

दौड़

विजय गर्ग

दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में एक लंबी दौड़ का आखिरी पड़ाव... वह एक प्रसिद्ध धावक था और उसका प्रतिद्वंद्वी उससे कुछ ही कदम की दूरी पर था, तभी अचानक एक पत्थर उसके पैरों पर गिर गया गिर जाना। रुले लो! आज खो गया...₹ रसाजिश आओ कोई...₹ आइडिया किसी का और किसी और का. एक पल के लिए मानो समय रुक गया. उनका प्रतिद्वंदी उनके काफी करीब था. लेकिन अचानक वह बिजली की गति से दौड़ा और फिनिश लाइन पार कर गया। उनकी तालियाँ गूँज उठींगले में सोने का मेडल मिला। तभी कुछ पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया. एक ने पूछा, ₹इतने बड़े पत्थर से टकराकर भी तुम जीत कैसे गये?₹ ₹पत्थर कहाँ से आया? कैसे आया? यह मेरा उद्देश्य नहीं था। मेरा उद्देश्य दौड़ जीतना था। पत्थर कभी-कभी जीतने वालों के रास्ते में गिरते हैं और कभी-कभी उन्हें गिरा दिया जाता है। यह घटना प्राकृतिक है। पर उस वक्त जीतना जरूरी था. पत्थर गिरा या कोई गिरा, ये तो आज भी पता चल जाता. अगर मैं रुक जाता तो आज ये मेडल जीत जाता.यह प्रतिद्वंद्वी का होता।₹ स्टेडियम तालियों से गूंज उठा.

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट

दिमाग को बेहतर ढंग से सीखने के लिए तैयार करे : विजय गर्ग

अभी मुझे केवल सुनो, लिखना बाद में' हमारे एक टीचर अकसर यह कहते थे।

उनका कहना था कि दिमाग एक समय में एक काम बेहतर करता है। जब आप सुनते हैं तो दिमाग उसे अपने ढंग से नोट करता है। लिखते हैं या किताब में से लिखा हुआ पढ़ते हैं, तो भी दिमाग उसे अपनी आवाज में नोट करता है। एक समय में कई काम करते समय दिमाग में बहुत सारी आवाजें होने लगती हैं और वह एक को भी ढंग से नहीं सुन पाता। हमारा दिमाग किस तरह चीजों को याद रख पाता है, इस संबंध में कुछ पढ़ते हुए टीचर की बात याद आ गई।

न्यूरोसाइंटिस्ट व एजुकेटर जेरेड कूने कहते हैं, 'स्वीडन समेत कई देश अब अपने यहां परंपरागत पढ़ाई के तौर-तरीकों को आगे बढ़ा रहे हैं। डिजिटल टूल्स और ई-बुक्स की तुलना में कागजी किताबें पढ़ना, पेज पर चीजों को लिखना, समय-समय पर बोल-बोलकर दोहराना, सीखने और चीजों को याद रखने के ज्यादा बेहतर विकल्प हैं। वे आगे कहते हैं, एआई के विभिन्न टूल्स को भले ही पर्सनल ट्यूटर या निजी गुरु कहा जा रहा है, पर मशीनें व्यक्ति को उस तरह प्रेरित नहीं कर सकतीं, जिस तरह प्यार व हमदर्दी के आधार पर बने रिश्ते करते हैं। तकनीक के जरिये बटन दबाते हुए हो रही बातचीत के दौरान शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन नहीं बनता। जब दो लोग बातचीत करते हुए ऑक्सीटॉसिन हार्मोन रिलीज करते हैं, तब वे एक-दूसरे से बेहतर सीखते-समझते हैं।

दिमाग को समझें

यह ठीक है कि उम्र के साथ हमारा दिमाग भी बूढ़ा होने लगता है। उसका संज्ञात्मक कौशल, पहचानने और याद रखने की क्षमता मंद पड़ने लगती है। पर ये भी सच है कि हमारे दिमाग में ये क्षमता भी है कि उम्र बढ़ने के साथ वह नया सीख भी सकता है और पुराने सीखे हुए पर अपनी पकड़ बनाए रख सकता है। मेडिकल भाषा में इस प्रक्रिया को ब्रेन प्लोस्टिसिटी या न्यूरोप्लास्टिसिटी कहते हैं। पर, ऐसा एक दिन में नहीं हो जाता। इसके लिए आपको नियमित अभ्यास करना पड़ता है। वैज्ञानिक कहते हैं, रचनात्मकता बहुत सारी सूचनाओं के होने से ही नहीं आती। हम तब कुछ रच पाते हैं, जब सूचनाओं को अपने स्तर पर एनकोड करते हैं, उन्हें अपने ढंग से समझते हैं, पहले से सीखे हुए ज्ञान से उसे जोड़ पाते हैं। तभी कोई बात हमारी डीप लर्निंग का हिस्सा बन पाती है, हम उसे लंबे समय तक याद कर पाते हैं। एक अन्य शोध के अनुसार, स्क्रीन पर पढ़ते हुए इसकी संभावना बहुत अधिक होती है कि हम छह मिनट के बाद सोशल मीडिया सर्च करने लगे, दूसरे लिंक्स पर चले जाएं या ऑनलाइन दोस्तों से बात करने लगें। ऐसे में ऑनलाइन ज्यादा समय बिताने के बाद भी हम कम ही पढ़ पाते हैं।

हमारे दिमाग का हिप्पोकैंपस हिस्सा चीजों को उनके लेआउट व जगह के तौर पर भी याद रखता है। स्क्रीन पर हम टेक्स्ट को स्क्रॉल करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। वही किताब का थ्रीडी लेआउट व उसमें लिखे शब्द स्थिर होते हैं। किताब पढ़ने के बाद हमें अकसर यह भी ध्यान रहता है कि हमने अमुक चीज दायीं या बायीं या फिर ऊपर या नीचे के हिस्से में कहां पढ़ी थी। अगर पढ़ते हुए आप चाहते हैं कि कोई चीज लंबे समय तक याद रहे, इसके लिए डिजिटल कॉपी की जगह किताब को पढ़ना अधिक बेहतर साबित होगा।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

सुपर कंप्यूटर गढ़ेंगे भारत की नई छवि

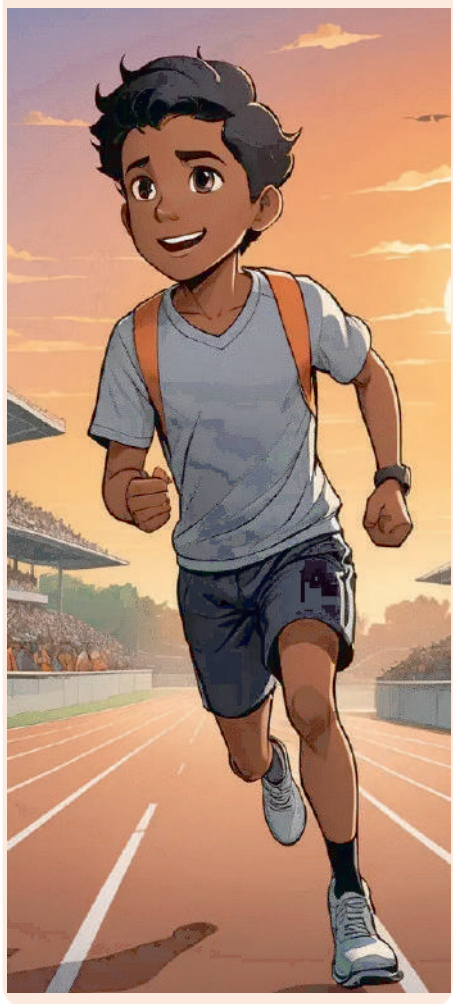

विजय गर्ग

आजकी तारीख में सुपर कंप्यूटर कोई अनजाना शब्द या तकनीक नहीं है। साधारण कंप्यूटरों की तुलना में हजारों-लाखों गुना ज्यादा तेजी से काम करने और एक सेकेंड में अरबों-खरबों गणनाएं करने की क्षमता सुपर कंप्यूटरों को आम कंप्यूटरों से अलग करती है। इन्हीं सुपर कंप्यूटरों से जुड़ी एक नई सूचना यह है कि हाल में भारत में परम रुद्र श्रेणी के तीन नए सुपर कंप्यूटर विकसित कर देश के अलग-अलग वैज्ञानिक संस्थानों में स्थापित किए गए हैं। निश्चित रूप से इनसे कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हमारे देश को बढ़त हासिल होगी, लेकिन क्या हमारा देश सुपर कंप्यूटर मामले में उस स्थिति में है कि तकनीक के इस क्षेत्र की महाशक्तियों की बराबरी कर सके ?

हालांकि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के इस दौर में सुपर कंप्यूटरों की चर्चा पुराने जमाने की लग सकती है, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि गणनाओं में तेजी लाए बिना एआइ जैसी तकनीक का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता है। बहरहाल भारत की स्थिति इस मामले में सुपर स्टार जैसी नहीं है। क्षमता के मानकों पर सुपर कंप्यूटरों की इसी साल जून में जारी वैश्विक सूची में भारत को 20वीं स्थान मिला है, जो इसे देश में स्थापित 11 सुपर कंप्यूटरों की बदौलत मिला है। हाल में पुणे, दिल्ली और कोलकाता के अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधानों के कामकाज में तीव्रता लाने के लिए सुपर कंप्यूटर परम रुद्र को विकसित करके स्थापित किया गया है। इनमें से एक सुपर कंप्यूटर पुणे स्थित विशाल मीटर रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरसी) में स्थापित किया गया है। वहां स्थापित परम रुद्र से खगोलीय संकेतों को समझने और विशेष रूप से रेडियो संकेतों को पकड़ने में मदद मिलेगी। दूसरा परम रुद्र दिल्ली स्थित इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलेरेटर सेंटर (आइयूएस) में स्थापित किया गया है। यहां स्थापित परम रुद्र पदार्थ विज्ञान और परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को गति देगा। तीसरा परम रुद्र कोलकाता के एसएन बीस सेंटर में लगाया गया है। वहां इसकी मदद से भौतिकी, ब्रह्मांड विज्ञान और पृथ्वी के संचालन संबंधी गतिविधियों के आंकड़ों का सटीक विश्लेषण किया जाएगा। इन तीनों में से दिल्ली के इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर में स्थापित सुपर कंप्यूटर की क्षमता यानी गणना करने की गति सबसे ज्यादा है। यह एक ₹पेटाफ्लाप है, जबकि कोलकाता में लगाया गया परम रुद्र इसके मुकाबले धीमा है, जो कि 838 टेराफ्लाप की गति वाला है। हमारे देश के पास राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत विकसित किए गए परम रुद्र से पहले परम अनंत, परम शिवाय, परम शक्ति और परम ब्रह्म नाम के सुपर कंप्यूटर मौजूद हैं।

क्यों अहम है सुपर कंप्यूटिंग तकनीक

बात चाहे मौसम के पूर्वानुमान लगाने की हो, जलवायु के रुझान जानने की हो, परमाणु परीक्षणों और फार्मास्युटिकल रिसर्च जैसे कामों में दक्षता हासिल करते की हो इन सभी में सुपर कंप्यूटिंग से ही तेजी आई है। आज चैटजीपीटी जैसे एआइ प्लेटफार्म अगर तेजी से हमारे कामकाज संपन्न कर रहे हैं, तो उनमें भी सुपर कंप्यूटिंग का कमाल दिखता है। एआइ की मदद से चलने वाले एल्गोरिद्म और चेहरा पहचानने आदि जटिल कामों में भी सुपर कंप्यूटिंग तकनीक बहुत मददगार है। इन दिनों चिकित्सा, खास तौर से फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में सुपर कंप्यूटरों का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है सुपर कंप्यूटिंग की मदद से ही कोरोना वायरस के स्वरूप बदलने की क्षमताओं को मापा गया और उस पर कोई वैक्सीन कितनी कारगर है इसका आकलन किया गया। सुपर कंप्यूटरों से अंतरिक्ष अनुसंधान और बेहद उच्च-स्तरीय हथियार जैसे कि परमाणु हथियार और हाइपरसेनिक मिसाइलें बनाने में भी काफी मदद मिलती है। आज की तारीख में सभी तरह के आधुनिक हथियारों के निर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र में सुपर कंप्यूटरों का ही इस्तेमाल होता है। उल्लेखनीय है कि अंतरिक्ष की खोज, चिकित्सा, तीव्र इंटरनेट सेवा, इंसान के दिमाग की पड़ताल, रोबोटिक्स और मौसम संबंधी जानकारियों के बढ़ते दायरे के मद्देनजर अब दुनिया में अत्यधिक तेज सुपर कंप्यूटरों की जरूरत पड़ने लगी है। इसी जरूरत को भांपते हुए चीन, रूस, अमेरिका, जापान आदि देश तीव्रतम सुपर कंप्यूटरों के निर्माण की कोशिश में लगे हुए हैं।

शीर्ष पर पहुंचने की होड़

हमारे देश में कई और सुपर कंप्यूटर भी हैं, लेकिन परम रुद्र की स्थापना के साथ उम्मीद है कि भारत शीर्ष सुपर कंप्यूटरों की सूची में जल्द ही नए मुकाम पर होगा, लेकिन यहां एक मलाल हमें सताता है। वह यह कि सुपर कंप्यूटिंग के मामले में काफी तरक्की करने के बावजूद हमारा देश शीर्ष 10 में नहीं आता है। हालांकि हमारे देश में कुछ सुपर कंप्यूटर ऐसे हैं जिनकी गिनती कुछ समय पहले तक दुनिया के सौ सबसे तेज सुपर कंप्यूटरों में होती रही है जैसे कि प्रत्यूष और मिहिर सुपर कंप्यूटर प्रत्यूष सुपर कंप्यूटर पुणे स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रॉपिकल मेट्रोलाजी संस्थान में स्थापित है। नवंबर 2018 में जारी शीर्ष 500 सुपर कंप्यूटरों की लिस्ट में यह 45वें स्थान पर आया था, जबकि नौएडा स्थित नेशनल सेंटर फार मीडियम रेंज वेदर फारकास्टिंग में स्थापित मिहिर सुपर कंप्यूटर इस सूची में 73वें नंबर पर था। फिलहाल सुपर कंप्यूटरों की टाप 10 लिस्ट में चीन एवं अमेरिका के अलावा जापान, जर्मनी और फ्रांस के सुपर कंप्यूटर आते हैं। खुद को आइटी और कंप्यूटिंग का पुरोधा कहने वाला हमारा देश इस मामले में काफी पिछड़ा हुआ है। आखिर इस पिछड़ेपन का कारण क्या है?

पाबंदियों से खुला का रास्ता

असल में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में यह बात काफी मायने रखती है कि किसी देश ने उससे जुड़ी परियोजनाओं और शोधकार्यों की शुरुआत कब से की ध्यान रहे कि भारत ने पहले सुपर कंप्यूटर परम 8000 के निर्माण की तरफ तब कदम बढ़ाए थे, जब अमेरिका ने भारत को सुपर कंप्यूटर देने से इन्कार कर दिया था। अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था तब इस चुनौती की स्वीकार करते हुए सरकार के निर्देश पर भारतीय विज्ञानी डा. विजय भटकर और उनके सहयोगियों ने परम 8000 नामक पहला सुपर कंप्यूटर बनाया था। इस दिशा में दूसरी बड़ी पहल 2015 में हुई, जब राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्लान 2.0 के अंतर्गत हर किस्म की सरकारी सेवा को मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रानिक माध्यमों के प्लेटफार्म पर ले आने की

योजना लागू की गई। इसका उद्देश्य आम जनता को शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, न्याय, साइबर सुरक्षा समेत कई अन्य क्षेत्रों की सेवाएं घर बैठे मुहैया करना था। लिहाजा सरकार ने देश में 73 सुपर कंप्यूटर बनाने का फैसला किया था। परम रुद्र श्रेणी के तीन नए सुपर कंप्यूटरों की स्थापना इसी सिलसिले की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिससे सुपर कंप्यूटिंग में भारत की हैसियत में सुधार होगा।

मुकेश अंबानी पहले नंबर पर बरकरार, गौतम अदाणी को मिला दूसरा मुकाम

परिवहन विशेष न्यूज

देश के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी (Mukesh Ambani) ने सबसे अमीर भारतीयों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। वहीं फोर्ब्स 2024 के 100 सबसे अमीर भारतीय टाइकून की लस्टि में दूसरे नंबर पर गौतम अदाणी हैं। इस साल भारत के शीर्ष 100 सबसे अमीर लोगों की कुल नेट वर्थ पहली बार एक ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है।

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित मैगजीन फोर्ब्स ने 2024 के लिए 'भारत के 100 सबसे अमीर' लोगों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी पहले नंबर पर और अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में रतन टाटा का नाम शामिल नहीं है, जो जिनका 9 अक्टूबर को देहांत हो गया। वह टाटा संस के मानद चेयरमैन थे।

लिस्ट के मुताबिक, देश के धनकुबेरों की संपत्ति सामूहिक रूप से एक ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है। यह फिलहाल 1.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। देश के 80 फीसदी से अधिक भारतीय रईसों की दौलत में और भी ज्यादा इजाफा हुआ है। इनमें से 58 ने अपनी नेटवर्थ में 1 अरब डॉलर या उससे अधिक का इजाफा किया है। वहीं, इस लिस्ट में शामिल शीर्ष 12 लोगों के पास शीर्ष 100 की कुल संपत्ति का लगभग आधा हिस्सा है।

अंबानी अव्वल, अदाणी दूसरे पर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी की 119.5 अरब डॉलर की अनुमानित नेटवर्थ के साथ लिस्ट में पहले नंबर हैं। हालांकि, डॉलर के लिहाज से वे दूसरे सबसे बड़े लाभार्थी हैं, जिन्होंने इस साल 27.5 अरब डॉलर जोड़े हैं।

मुकेश अंबानी के बाद लिस्ट में गौतम अदाणी और उनका परिवार है। उनकी डायवर्सिफाइड बिजनेस से अनुमानित संपत्ति 116 अरब डॉलर है। अदाणी समूह के मालिक ने साल भर में सबसे अधिक 48 अरब डॉलर का लाभ कमाया है।

सवित्री जिंदल भी लिस्ट में शामिल

तीसरे स्थान पर भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल और उनका परिवार है। उनकी मेटल और माइनिंग बिजनेस से अनुमानित कुल संपत्ति 43.7 अरब डॉलर है। वहीं, शिव नाडर अनुमानित 40.2 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर हैं। वे एचएलसी एंटरप्राइज के चेयरमैन हैं। दिलीप सांघवी और उनका परिवार सन फार्मास्युटिकल्स से 32.4 बिलियन डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

टॉप 10 में बाकी उद्योगपतियों में राधाकिशन दमानी और परिवार (अनुमानित मूल्य 31.5 बिलियन डॉलर), सुनील मित्तल और परिवार (अनुमानित मूल्य 30.7 बिलियन डॉलर, कुमार बिड़ला (अनुमानित मूल्य 24.8 बिलियन डॉलर), साइरस पूनावाला (अनुमानित मूल्य 24.5 बिलियन डॉलर) और बजाज परिवार (अनुमानित मूल्य 23.4 बिलियन डॉलर) शामिल हैं।

महिम दतला महिलाओं में नई एंट्री

वैक्सीन निर्माता कंपनी बायोलॉजिकल ई की प्रमुख महिमा दतला शीर्ष 100 की सूची में नई महिला प्रवेशी हैं। अन्य नए चेहरों में हेटेरो लैब्स के फाउंडर बी पार्थ सारधी रेड्डी; एचएंडएम और केल्विन क्लेन को प्रोडक्ट सप्लाई करने वाले शाही एक्सपोर्ट्स के मालिक हरीश आहूजा और शेयर मार्केट में नई लिस्टेड प्रीमियर एनर्जीज (सौर पैनल और मॉड्यूल निर्माता) के फाउंडर सुरेन्द्र सलूजा शामिल हैं।

फार्मा और रियल एस्टेट कंपनी के मालिकों को सूची में बड़ी बढ़त मिली। इसमें सांघवी, टोरेंट फार्मास्युटिकल्स के सुधीर मेहता और समीर मेहता, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स के इरफान रजाक और गोदरेज परिवार शामिल हैं। सूची में सबसे कम उम्र के व्यक्ति ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म जीरोधा के निखिल कामथ (38) हैं।

निर्माण के अमृतकाल में ग्राम प्रधानों का योगदान सर्वाधिक

उत्तर प्रदेश में 58 हजार से अधिक ग्राम पंचायतें हैं और प्रदेश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। उत्तर प्रदेश के ग्राम प्रधानों की दूरदर्शी सोच ने विकास की नई धारा बहाई है। उत्तर प्रदेश के ग्राम प्रधानों की दूरदर्शी सोच ने विकास की नई धारा बहाई है। इस अभियान में ग्राम प्रधानों को अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

लखनऊ। भारत गांवों का देश है, और सर्वाधिक जनसंख्या वाला उत्तर प्रदेश उसका प्रतिनिधि राज्य है। यहां के गांवों में जो विकास की ललक है, वह अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा का काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के ग्राम प्रधानों की दूरदर्शी सोच ने विकास की नई धारा बहाई है, और विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नवाचारों ने ग्राम स्वराज की अवधारणा को साकार रूप दिया है।

इस समय को अगर हम 'निर्माण का अमृतकाल' कहें, तो इसमें ग्राम प्रधानों का योगदान सबसे अहम है। देश में एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और सांस्कृतिक केंद्रों का निर्माण हो रहा है, तो वहीं गांवों में सड़कें, पानी की टंकियां, आवास, शौचालय, और पंचायत भवन जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है। हमारी पंचायतों के प्रधानों ने इस निर्माण क्रांति में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है और निरंतर अपना योगदान दे रहे हैं।

देश का नंबर-1 सीमेंट ब्रांड, अल्ट्राटेक, भी इस नव निर्माण का अभिन्न हिस्सा है। 'अल्ट्राटेक-यशस्वी प्रधान' (Ultratech Yashasvi Pradhan) एक ऐसा अभियान है, जिसमें ग्राम पंचायतों के प्रधानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी। इसमें नई सोच, नई अवधारणाएं, और नवीन परिकल्पनाएं सामने आएंगी।

उत्तर प्रदेश में 58 हजार से अधिक ग्राम पंचायतें हैं, और प्रदेश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। ऐसे में, गांवों के समग्र विकास के बिना प्रदेश और देश के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। स्वतंत्रता के बाद, लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की व्यवस्था इसी उद्देश्य से अपनाई गई थी, ताकि शासन और सत्ता में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

आज, पंचायती राज व्यवस्था मजबूत और सशक्त दिखाई देती है। ग्राम पंचायतें अब विकास संबंधी फैसले खुद ले रही हैं और आर्थिक संसाधन जुटाने के प्रति भी सक्रिय हैं। 'अल्ट्राटेक-यशस्वी प्रधान' का उद्देश्य इन ग्राम प्रधानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों और उन्नत निर्माणों के लिए सम्मानित करना है।

इस अभियान में ग्राम प्रधानों को अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। अभियान के सुचारू संचालन के लिए प्रदेश के 75 जिलों को 13 केंद्रों में विभाजित किया गया है। हर केंद्र के तहत आने वाली ग्राम पंचायतों के प्रधान अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत करेंगे, जिनका मूल्यांकन तीन सदस्यीय ज्यूरी करेगी। प्रत्येक केंद्र से 20 प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा, और उनकी प्रविष्टियों को राज्य स्तर पर चयन के लिए भेजा जाएगा।

कौन हैं शांतनु नायडू? रतन टाटा के देहांत के बाद क्यों सुर्खियों में आया नाम

देश के मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार देर रात देहांत हो गया। वह 86 साल के थे। रतन टाटा के स्वर्गवास के बाद 28 साल के शांतनु नायडू का नाम भी सुर्खियों में आ गया। आइए जानते हैं कि शांतनु नायडू कौन हैं और वह उम्र का बड़ा फासला होने के बाद भी रतन टाटा के करीबी लोगों में कैसे शुमार हुए।

नई दिल्ली। देशभर में न जाने कितने युवा और अनुभवी उद्योगपति तरसते रहे होंगे कि उन्हें रतन टाटा (Ratan Tata) से कोई कारोबारी सलाह मिल जाए। लेकिन, एक नौजवान भी है, जो निवेश से जिंदगी तक के तमाम मसलों पर दिवंगत रतन टाटा को मशविरा देता था। उस शख्स का नाम है, शांतनु नायडू।

कौन हैं शांतनु नायडू

शांतनु नायडू काफी वक्त तक रतन टाटा के असिस्टेंट रहे। 28 साल के शांतनु का टाटा परिवार से कोई नाता नहीं। लेकिन, सबसे दिलचस्प बात यह है कि खुद रतन टाटा ने फोन करके शांतुन को अपने साथ काम करने का न्योता दिया। रतन टाटा के शांतनु के शब्द थे, 'आप जो काम करते हैं, मैं उससे काफी प्रभावित हूं। क्या आप मेरा असिस्टेंट बनना चाहेंगे।'

क्या काम करते थे शांतनु

शांतनु पशुप्रेमी हैं। उन्होंने आवारा कुत्तों के लिए एक रिफ्लेक्टर बनाया था, डॉग कॉलर। इसका मकसद था आवारा कुत्तों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाना। दरअसल, आवारा कुत्ते कई बार सड़क हादसों का शिकार हो जाते थे, क्योंकि ड्राइवर उन्हें देख नहीं पाते थे। शांतनु का बनाया डॉग कॉलर कुत्तों के गले में चमकता और ड्राइवर उन्हें देखकर रफ्तार धीमी कर देते। इससे सैकड़ों कुत्तों की जान बची।

शांतनु ने डॉग कॉलर कैसे बनाया

शांतनु के पास डॉग कॉलर बनाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। लिहाजा, उन्होंने कॉलर बनाने के लिए बेस मैटेरियल के रूप में डेनिम पैंट का इस्तेमाल करने का फैसला किया। उन्होंने घर-घर जाकर पुराने डेनिम पैंट जुटाए। उन्होंने पुणे में 500 रिफ्लेक्टिव कॉलर बनाकर कुत्तों पहनाया। इन कॉलर की वजह से स्ट्रीट डॉग को रात में बिना स्ट्रीट लाइट के भी ड्राइवर्स दूर से ही देख सकते थे। शांतनु के काम को काफी सराहा गया।

रतन टाटा से कैसे मिले शांतनु

शांतनु ने अपने डॉग कॉलर के बारे में एक फेसबुक पोस्ट में लिखा। मीडिया में भी उनके काम की रिपोर्ट हुई। शांतनु का काम रतन टाटा तक भी पहुंचा और वे शांतनु से काफी प्रभावित हुए। रतन टाटा भी पशप्रेमी हैं और उन्हें खासतौर पर कुत्तों से काफी लगाव है। उन्होंने शांतनु को खुद फोन करके बुलाया और अपना असिस्टेंट बनने का ऑफर दिया।

रतन टाटा के लिए क्या करते थे शांतनु

शांतनु की लिंक्डइन प्रोफाइल बताती है कि वह जून 2017 से टाटा ट्रस्ट में काम कर रहे हैं। उन्होंने टाटा एलेक्सी में डिजाइन इंजीनियर के तौर पर भी काम किया है। वह टाटा ट्रस्ट के उप महाप्रबंधक भी हैं। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से एमबीए करने वाले शांतनु नायडू टाटा ग्रुप में काम करने वाली अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी हैं। वह रतन टाटा को स्टार्टअप में निवेश करने जैसे मसलों पर भी सलाह देते थे।

टाटा ग्रुप की टीसीएस का मुनाफा 5 फीसदी बढ़ा, डिविडेंड का भी एलान

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा ग्रुप की दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस ने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 11909 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल की समान तिमाही में टीसीएस का नेट प्रॉफिट 11342 करोड़ रुपये था। इसका मतलब कि सालाना आधार पर टीसीएस का मुनाफा 5 फीसदी बढ़ा है। कंपनी शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा भी देगी।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही का नतीजा जारी कर दिया है। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 5 फीसदी बढ़ा है। टीसीएस ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 11,909 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल की समान तिमाही में टीसीएस का नेट प्रॉफिट 11,342 करोड़ रुपये था।

सितंबर तिमाही में टीसीएस का रेवेन्यू सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 64,259 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी की रेवेन्यू ग्रोथ का नेतृत्व एनर्जी, रिसोर्सेज और यूटिलिटीज सेक्टर ने किया। टीसीएस ने शेयरधारकों के लिए डिविडेंड का एलान भी किया है। टीसीएस के शेयर आज 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ 4228.40 रुपये के भाव पर बंद हुए थे।

10 रुपये का डिविडेंड एलान

TCS ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपये प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया। इसकी रिकॉर्ड 18 अक्टूबर तय की गई है। इसका मतलब है कि शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 तक अगर आपके डीमैट अकाउंट में टीसीएस के शेयर रहेंगे, तभी आपको डिविडेंड का लाभ मिलेगा। इससे पहले टीसीएस ने 19 जुलाई 2024 को 10 रुपये का अंतरिम डिविडेंड दिया था।

CEO ने नतीजों पर क्या कहा?

TCS के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर के कृतिवासन ने वैश्विक अनिश्चितता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पिछली कुछ तिमाहियों के सतर्क रुझान इस तिमाही में भी जारी रहे। भू-राजनीतिक स्थिति के बीच हमारे सबसे बड़े वर्टिकल, BFSI ने सुधार के संकेत दिखाए। हमने अपने ग्रोथ मार्केट्स में भी मजबूत प्रदर्शन देखा।'

उम्मीद से कमजोर रहे TCS के नतीजे

TCS का नतीजा बाजार के अनुमान से कमजोर रहा। एनालिस्ट्स को उम्मीद थी कि टाटा ग्रुप की टीसीएस का दूसरी तिमाही का रेवेन्यू प्रमुख डील के चलते बढ़ेगा। इसमें खास तौर पर BSNL के साथ चल रही साझेदारी शामिल थी। उन्हें मजबूत डील एग्जीक्यूशन और उत्तरी अमेरिका, BFSI और रिटेल में वृद्धि से नेट प्रॉफिट में अच्छे इजाफे की उम्मीद थी।

टीसीएस की दूसरी तिमाही के नतीजे BSNL के 15,000 करोड़ रुपये के डील के विस्तार के बीच आई है। इस डील में देशभर डेटा सेंटर और 4जी साइट स्थापित करना और भविष्य के 5जी इन्फ्रास्ट्रक्चर की नींव रखने जैसी चीजें शामिल हैं। मार्केट एक्सपर्ट को उम्मीद है कि अगली तिमाही में कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन इससे बेहतर रह सकता है।

2024 की पहली छमाही में यूपीआई ने तोड़े ट्रांजैक्शन के सभी रिकॉर्ड

परिवहन विशेष न्यूज

देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (Unified Payment Interface-UPI) का चलन तेजी से बढ़ा है। देश के हर कोने में लोग छोटे-बड़े ट्रांजैक्शन के लिए UPI ऐप यूज कर रहे हैं। यूपीआई का सुविधाजनक होने के साथ मुफ्त भी है। यही वजह है कि इसका इस्तेमाल लगातार तेजी से बढ़ रहा है। जनवरी-जून 2024 के दौरान यूपीआई के जरिये 78.97 अरब लेनदेन हुए हैं।

नई दिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली छमाही के दौरान यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन में तेज वृद्धि रही है। पेमेंट टेक्नोलॉजी सेवाप्रदाता वर्ल्डलाइन की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी-जून 2024 के दौरान यूपीआई के जरिये 78.97 अरब लेनदेन हुए हैं। इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पेमेंट बाजार में यूपीआई का दबदबा बना हुआ है और तेजी से अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। पहली छमाही में यूपीआई लेनदेन के मूल्य में 40 प्रतिशत की वृद्धि रही है। जनवरी-जून 2024 के दौरान 116.63 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए हैं जिनका मूल्य 2023 की समान अवधि में 83.16 लाख करोड़ रुपये था।

रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2023 में यूपीआई के जरिये 8.03 अरब लेनदेन हुए थे, जिनकी संख्या जून 2024 में बढ़कर 13.9 अरब रही है। जनवरी 2023 में 12.98 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए थे। इस वर्ष जून में इनका मूल्य 20.07 लाख करोड़ रुपये रहा है। मूल्य और लेनदेन के लिहाज से यूपीआई पेमेंट में फोनपे शीर्ष पर रहा है।

इसके बाद गूगल पे और पेटीएम का नंबर आता है। हालांकि, पहली छमाही में यूपीआई लेनदेन का औसत टिकट साइज आठ प्रतिशत घटा है। 2023 की पहली छमाही में यूपीआई लेनदेन का औसत टिकट साइज 1,603 रुपये था, जो 2024 में समान अवधि में 1,478 रुपये रहा है।

क्या यूपीआई का इस्तेमाल घटाएंगे लोग?

पिछले दिनों लोकलसर्किल्स (LocalCircles) का एक सर्वे आया था। इसमें यूपीआई के बारे में कई दिलचस्प बातें निकलकर सामने आईं। सर्वे के मुताबिक, अगर यूपीआई ट्रांजैक्शन पर कोई फीस लगाई जाती है, तो लगभग 75 फीसदी यूजर्स इसका इस्तेमाल बंद करेंगे।

सर्वे से यह भी बताता है कि 38 फीसदी लोग यूपीआई पर काफी ज्यादा निर्भर हैं। वे अपने टोटल ट्रांजैक्शन में से 50 फीसदी से अधिक यूपीआई के जरिए ही करते हैं। बाकी में डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या अन्य डिजिटल माध्यम हैं।

दरअसल, इस तरह की खबरें आई थी कि सरकार यूपीआई से लेनदेन पर टांजैक्शन फीस लगा सकती है। इस पर जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में भी चर्चा हुई। हालांकि, काउंसिल ने अगली मीटिंग के लिए इस पर फैसला टाल दिया दिया।

रतन टाटा ने की थी विदेशी कंपनियों को खरीदने की शुरुआत, अमेरिकी और ब्रिटिश कंपनियों पर लगाया था देसी ठप्पा

परिवहन विशेष न्यूज

एक वक्त था जब भारतीय कारोबारी सपने में भी किसी बड़ी विदेशी कंपनी को खरीदने के बारे में नहीं सोचते थे। लेकिन इस मानसिकता को रतन टाटा बदला। उन्होंने साल 2000 में टाटा से दोगुने बड़े ब्रिटिश ग्रुप टेटली का अधिग्रहण कर सबको चौंका दिया। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक बड़ी डील की और टाटा ग्रुप के साम्राज्य को दुनियाभर में फैला दिया।

नई दिल्ली। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का 9 अक्टूबर की देर रात देहांत हो गया। यह भारतीय कारोबार जगत के लिए एक स्वर्णिम युग के अंत सरीखा है। रतन टाटा साल 1991 में जेआरडी टाटा की जगह टाटा ग्रुप के चेयरमैन बने। उन्होंने एक के बाद एक कंपनियों को खरीदकर टाटा ग्रुप के साम्राज्य को बढ़ाया। ये सौदे न सिर्फ देश में हुए, बल्कि रतन टाटा ने कई बड़ी विदेशी कंपनियों को खरीदा।

ब्रिटिश चाय कंपनी को खरीदा

टाटा कंज्यमूर प्रोडक्ट्स पहले टाटा टी नाम से कारोबार करती थी। इसने साल 2000 में दिग्गज ब्रिटिश चाय कंपनी- टेटली (Tetley Tea) को खरीदा। यह डील 45 करोड़ डॉलर में हुई। इस डील ने दुनिया को इसलिए भी हैरान किया, क्योंकि टेटली साइज में टाटा के मुकाबले दोगुनी बड़ी थी। इस डील के बाद टाटा टी दुनिया की सबसे बड़ी चाय कंपनियों में शुमार हो गई। यह पहली दफा था, जब किसी भारतीय कंपनी ने विदेशी कंपनी का अधिग्रहण किया हो। इससे टाटा ग्रुप के वैश्विक विस्तार की शुरुआत भी हो गई।

दो बड़े ऑटोमेकर की खरीद

टाटा मोटर्स ने दुनिया के दो बड़े ऑटोमेकर को खरीदा। पहली डील साल 2004 में हुई दक्षिण कोरिया की देवू (Daewoo) से। टाटा मोटर्स ने देवू की कमर्शियल व्हीकल यूनिट को 10.2 करोड़ डॉलर में खरीद लिया। इससे टाटा ग्रुप के पास ट्रक बनाने वाली एडवांस तकनीक आ गई। फिर टाटा मोटर्स ने 2008 में अमेरिकी ऑटोमेकर फोर्ड से Jaguar Land Rover (JLR) की खरीदा। इस 230 करोड़ डॉलर की डील ने टाटा मोटर्स को ऑटो सेक्टर की वैश्विक कंपनी बना दिया।

दो स्टील कंपनियों से डील

टाटा स्टील ने रतन टाटा की अगुआई में दो बड़े सौदे करके अपना दबदबा बढ़ाया। पहली डील2004 में हुई, जब टाटा स्टील ने सिंगापुर की स्टील कंपनी NatSteel को 48.6 करोड़ डॉलर में खरीदा। वहीं, दूसरा सौदा 2007 में हुआ। इस बार टाटा स्टील ने ब्रिटेन की Corus Steel को 1290 करोड़ डॉलर में खरीदा। यह अपने समय की सबसे बड़ी डील थी और इसने टाटा स्टील की दुनिया की टॉप-10 स्टील कंपनियों में शुमार कर दिया।

अमेरिकी होटल में भी चेक-इन

टाटा ग्रुप की होटल कंपनी- ताज होटल ने साल 2006 में अमेरिका के The Ritz-Carlton Boston Hotel को खरीदा। यह सौदा करीब 17 करोड़ डॉलर में हुआ। इससे ताज लग्जरी ब्रांड को वैश्विक विस्तार का मौका मिला और कंपनी ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में अपना दबदबा मजबूत किया।

Brunner Mond को खरीदा

टाटा ग्रुप की केमिकल कंपनी टाटा केमिकल्स ने 9 करोड़ पौंड में ब्रिटेन की सोडा ऐश बनाने वाली Brunner Mond को अपना बना लिया। इस अधिग्रहण की बदौलत टाटा केमिकल्स सोडा ऐश बनाने के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल हो गई।

टाटा ग्लोबल बेवरेजेज ने अमेरिका की Starbucks के साथ फ्रेंचाइजी मॉडल की डील की। यह एक ज्वाइंट वेंचर था। इसकी बदौलत टाटा ग्रुप को भारत में स्टारबक्स आउटलेट्स लॉन्च करने की इजाजत मिल गई और उसने तेजी से बढ़ रहे कॉफी रिटेल मार्केट में एंट्री कर ली।

BigBasket का अधिग्रहण

रतन टाटा ने साल 2012 में रिटायर हो गए थे, लेकिन वह टाटा ग्रुप के चेयरमैन एमेरिटस बने रहे। टाटा ग्रुप ने मई 2021 में बिग बास्केट का अधिग्रहण किया। टाटा डिजिटल ने बिग बास्केट में मेजॉरिटी हिस्सेदारी खरीदी। इससे टाटा ग्रुप के लिए ई-कॉमर्स सेक्टर में एंट्री का रास्ता साफ हो गया।

Air India को फिर अपना बनाया

एयर इंडिया के साथ टाटा ग्रुप का भावनात्मक रिश्ता रहा है। इसकी शुरुआत 1930 के दशक में जेआरडी टाटा ने की थी। लेकिन, साल 1953 में इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। साल 2022 में टाटा सन्स ने 18,000 करोड़ में एयर इंडिया को खरीदा।

ड्राइवर के हाथ में बिष्टा उठा दिया , ड्राइवर यूनियन ने स्टीयरिंग व्हील चलाना छोड़ दिया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : जाजपुर जिले कालियापानी थाना कोइपशी के पास जंगल में ट्रक पार्किंग स्थल पर सुबह क्रोमाइट खदान लोड करने आए 2 ट्रक चालकों के हाथ में बिष्ठा दे दी, चालक महासंघ ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे छोड़ने के लिए आंदोलन किया है। 500 से अधिक ड्राइवरों ने पार्किंग स्थल में तीन घंटे तक हड़ताल और हड़ताल की, जिससे क्रोम कार्गो और यातायात ठप हो गया।2 ड्राइवरों के प्रति इस तरह के व्यवहार की ओडिशा ड्राइवर महा संघ, स्थानीय कोइपशी ट्रक ओनर्स एसोसिएशन और माइन प्रभावित ट्रक ओनर्स एसोसिएशन ने कड़ी निंदा की और पुलिस कार्रवाई की मांग की। पार्किंग स्थल पर अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो गई। थाना प्रभारी रंजन कुमार मल्लिक और ओएमसी की ओर से क्रोम परिवहन और कानून प्रवर्तन के प्रभारी ओडिशा पुलिस ओआईएसएफ बल के सहायक कमांडेंट किरण कुमार पार्किंग यार्ड पहुंचे और आंदोलनकारियों को समझाया। ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की ओर से सम्राट सामल, अशांत परिदा, दामोदर पान ने प्रमुख आम चालकों की विभिन्न समस्याएं रखीं और उनके लिए न्याय की मांग की। 24 घंटे ट्रक सीरियल व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। ड्राइवर से अभद्रता करने, वीडियो अपलोड कर वायरल करने वाले युवक के खिलाफ 24 घंटे के अंदर कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए आंदोलन वापस ले लिया गया। मामले को लेकर ओडिशा ड्राइवर महा संघ सुकिंदा ब्लॉक शाखा के अध्यक्ष शंभूनाथ महंत के नेतृत्व में 2 शिकायतकर्ता रतन चंद और सहदेव थाने आये।थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है, जांच जारी है और एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है, इसकी जानकारी पुलिस पदाधिकारी श्री मल्लिक ने दी।

2 चालक लडचना थाना सुंगुड़ा गांव के रतनचंद मस्तान और स्थानीय वालुकीपाटला गांव के सहदेव महंथ ने ट्रक को पिछले शनिवार से कोइपशी पार्किंग यार्ड में रखा था। यह जानते हुए कि ड्राइवरों के लिए शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है, दोनों आज शौच करने के लिए किनारे की बस्ती के पास कूड़े के ढेर के नीचे जंगल में चले गए। लौटते समय जंगल में कुछ स्थानीय यूनियन के युवकों ने उन दोनों को घेर लिया और पूछा कि वे यहां गंदे क्यों हैं। उन्होंने उसे छड़ी से अपना मल स्वयं उठाने के लिए मजबूर किया। आरोपियों ने नेहुरा की बात नहीं मानी, लेकिन दोनों ने स्टूल में मिट्टी डालने की कोशिश की।

32वें माँ चामुण्डा देवी के विशाल मेले में 2100 दीपो से की गयी महाआरती

ऐसा भक्तिमय वातावरण देख महिलाएं बोली – "पूरे आगरा में हमने ऐसा भक्तिमय कार्यक्रम आँखो से आज़ तक नहीं देखा था, यहाँ आने के बाद माता रानी के चरणों में से जाने का मन नहीं करताजय माता दी"

आगरा,संजय साग़र सिंह। 32वें माँ चामुण्डा देवी के विशाल मेले में राजा मंडी स्टेशन पर दैनिक यात्री व्यापार संघ पोला भाई ग्रुप द्वारा 2100 दीपो से महाआरती की गयी।

दैनिक यात्री व्यापार संघ पोला भाई ग्रुप द्वारा आगरा के 11 अलग-अलग मंदिरों के महंतों के द्वारा माता रानी की महा आरती की गयी। साथ ही कार्यक्रम में मां काली एव राधारानी की भव्य झाकी का भी आयोजन किया गया। इस भक्तिमय वातावरण में राधारानी की झाकी के साथ महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। वही, महिलाएं बोली - पूरे आगरा में हमने ऐसा भक्तिमय कार्यक्रम आँखो से आज़ तक नहीं देखा था। यहाँ आने के बाद माता रानी के चरणों में से जाने का मन नहीं करता जय माता दी।

इस भक्तिमय एवं सराहनीय कार्य में आशू जैन, पोला भाई, प्रदीप अग्रवाल, हेमन्त प्रजापति, संतोष अग्रवाल,शरद चैहान, विक्रान्त सिंह, मुरारी लाल गोयल, राजेश प्रजापति, अमित पटेल, कुंदनिका शर्मा, पंकज अग्रवाल, मनोज राजौरा, अरविन्द उपाध्याय, राजा शर्मा, पप्पू शर्मा, सुभाष गुप्ता, राममोहन शर्मा, मंजीत सिंह, निक्कू पंडित, महेश निषाद, गिर्राज बंसल, पवन बंसल, मुकेश शर्मा, अरूण शुक्ला, गोलू गुप्ता, अनिल चैहान, बबलू भाई, प्रदीप बनवारी, रवि शर्मा, पवन अग्रवाल, संजीव पाठक, यश पीटरसन, राज ठाकुर, रोहित गर्ग, बी.पी.चैहान, शोभित अग्रवाल, विक्की गर्ग, अरिहंत जैन,रोहित शर्मा, अरविंद गुप्ता, बसंत शर्मा, दीपू यादव, लालू भाई, अभिषेक मंशानी, अन्नू भाई, यश चैहान, आशू शर्मा, सुनील केसवानी, शिवम शर्मा, यतिन चैपड़ा, हनी पंडित, सजल गर्ग, नौशाद जाफरी, अमित गुप्ता, संजय सिंह, हरिशंकर उपाध्याय, राहुल गौतम, हैदर भाई, यश उपाध्याय, अभिषेक, सौरभ, देव सिंह देवू, उमेश, नन्दू, टिल्लू आदि कमेटी के सदस्यगण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मेट्रो स्टेशन पर शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता के चित्र एवं परिचय पट्ट का हुआ अनावरण

आगरा,संजय साग़र सिंह। गत वर्ष राष्ट्र के प्रति अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारत माता के वीर सपूत शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता स्मृति संस्थान फाउण्डेशन की ओर से कैप्टन शुभम गुप्ता मेट्रो स्टेशन पर आयोजित 29वें जन्मदिवस पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र ने पट्टिका का अनावरण किया।

कैप्टन शुभम गुप्ता स्मृति संस्थान और आगरा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कर वंदे मातरम का गायन किया गया। इस मौके पर आए सभी लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कैप्टन शुभम गुप्ता के पिता एडवोकेट बसंत गुप्ता और उनकी मां पुष्पा गुप्ता भावुक हो गए।

इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में आरएसएस के प्रांत प्रचारक धर्मेंद्रजी ने कहा, गत वर्ष राष्ट्र के प्रति अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारत माता के वीर सपूत शहीद कैप्टन शुभम जैसे वीर रण बांकुरों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए समाज के जरूरतमंद वर्ग के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाते हुए उन्हें सेना में अधिकारी बनने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता हैं। कैप्टन शुभम गुप्ता का बलिदान युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरक बना। ये ऐसे रणबांकुरे थे, जिन्होंने सीने पर गोलियां खाई लेकिन कदम पीछे नहीं खींचे।

उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में किए जाने वाले सेवा कार्यों हेतु सभी प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया और विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, विधायक डॉ. जीएस धर्मेश, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया ने भी आगरा के लाल के बलिदान को - नमन किया।

इस गरिमापूर्ण अवसर पर माथुर वैश्य परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गुप्ता, माथुर वैश्य महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपिका गुप्ता, भारत विकास परिषद के केशवदत्त गुप्ता ने भी अपने उद्गारों में शुभम गुप्ता की वीरता से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत आगरा मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी सुरेंद्र के द्वारा किया गया तथा आभार ज्ञापन बलिदानी शुभम गुप्ता के पिता एड.बसंत गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद के डॉ तरुण शर्मा ने किया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद, रामलीला कमेटी, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन आगरा, तिरंगा फाउंडेशन आगरा, माथुर वैश्य महासभा इत्यादि अनेक संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने भागीदारी की। प्रमुख रूप से डॉ पंकज महेंद्रू, नागेंद्र दुबे गामा, वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रवीर सिंह फौजदार, पार्षद बबलू लोधी, पार्षद शोभाराम राठौर, प्रमोद सिंघल, हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ कैलाश चंद्र सारस्वत, विनय सिंघल, वीरेंद्र सिंघल, धर्म गोपाल मित्तल, मुकेश मित्तल, उमेश बंसल, नेम कुमार जैन, अजय शिवहरे, कुलभूषण गुप्ता, राकेश चौहान, विनय सिंह, अखिलेश भटनागर, राजेश गोयल आदि सहित कैप्टन शुभम गुप्ता के पारिवारिजनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही तथा सभी ने शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की वीरता से प्रेरणा लेने के लिए कहा और आगरा के लाल के बलिदान को - नमन किया।

पीएम मोदी के आग्रह पर गुजरात में नैनो लाए थे रतन टाटा, पढ़ें उस एक एसएमएस से जुड़ा दिलचस्प किस्सा

टाटा ने तीन अक्टूबर 2008 को बंगाल से नैनो परियोजना को बाहर ले जाने की घोषणा की थी और कहा था कि अगले चार दिन के भीतर गुजरात के साणंद में यह संयंत्र स्थापित किया जाएगा। पीएम मोदी ने तब कहा था कि कई देश नैनो परियोजना के लिए हरसंभव मदद देने को उत्सुक हैंलेकिन गुजरात सरकार के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि परियोजना भारत से बाहर न जाए।

नई दिल्ली। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा को एक शब्द का एसएमएस 'वेल्कम' (स्वागत है) भेजा था। इसके बाद 2008 में टाटा नैनो परियोजना बंगाल से गुजरात आ गई थी। 2006 में बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार ने टाटा समूह के लिए सिंगूर में नैनो कार उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए भूमि का अधिग्रहण किया था। इसके खिलाफ तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में उग्र विरोध प्रदर्शन हुए थे।

एक छोटे से मैसेज ने कर दिया कमाल

पीएम मोदी ने रतन टाटा को यह एसएमएस उस समय भेजा था, जब वह कोलकाता में बंगाल से नैनो परियोजना को बाहर ले जाने की घोषणा कर रहे थे। मोदी ने 2010 में साणंद में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश से बने टाटा नैनो संयंत्र का उद्घाटन करते हुए कहा था कि जब रतन टाटा ने कोलकाता में कहा कि वह बंगाल छोड़ रहे हैं तो मैंने उन्हें एक छोटा सा एसएमएस भेजा था। इसमें मैंने लिखा था, 'वेल्कम' और अब आप देख सकते हैं कि एक रुपये का एसएमएस क्या कर सकता है।

परियोजना भारत से बाहर न जाए

टाटा ने तीन अक्टूबर, 2008 को बंगाल से नैनो परियोजना को बाहर ले जाने की घोषणा की थी और कहा था कि अगले चार दिन के भीतर गुजरात के साणंद में यह संयंत्र स्थापित किया जाएगा। पीएम मोदी ने तब कहा था कि कई देश नैनो परियोजना के लिए हरसंभव मदद देने को उत्सुक हैं, लेकिन गुजरात सरकार के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि परियोजना भारत से बाहर न जाए।

टाटा ने 2018 में नैनो कारों का उत्पादन बंद कर दिया

साणंद में प्लांट से जून 2010 में पहली नैनो कार के बाहर निकलने के समय टाटा ने इकाई स्थापित करने में मदद के लिए मोदी के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि गुजरात ने हमें वह सब कुछ दिया जिसकी हमें जरूरत थी। पीएम मोदी ने हमसे कहा, यह सिर्फ टाटा की परियोजना नहीं, यह हमारी परियोजना है। टाटा ने 2018 में नैनो कारों का उत्पादन बंद कर दिया।

देर रात चालक की लापरवाही से हुई दुर्घटना

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर् : देर रात चालक की लापरवाही से गाड़ी सड़क किनारे लगे लोहे के बाड़ से टकरा गयी, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बाल्टीमोर काउंटी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को खाना में स्थानांतरित कर दिया गया। ऐसा ही एक हादसा बालेश्वर जिले के बस्ता पुलिस स्टेशन के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 60 पर राजघाट टोलगेट के पास हुआ।देर रात एक बोलेरो तेज गति से ओडिशा से पश्चिम बंगाल की ओर जा रही थी, चालक की लापरवाही के कारण बोलेरो गाड़ी सड़क के किनारे लगे लोहे के बाड़ से टकरा गयी, जिसमें से एक गंभीर रूप से घायल हो गया।खबर मिलते ही नेशनल हाईवे पेट्रोलिंग वैन मौके पर पहुंची और उन्हें बचाया। गंभीर व्यक्ति को 108 एम्बुलेंस द्वारा बालेश्वर जिला मुख्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है और जांच जारी रखी है।

मुंबई में होने जा रहा क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, केले और अनार जैसे आइटम से कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी

अनार और आम को समुद्र के रास्ते निर्यात करने का पायलट प्रोजेक्ट किया जा रहा है। एपीडा ने कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए आलू अंगूर केला विभिन्न हरी सब्जी समेत 20 आइटम को फोकस उत्पाद की सूची में शामिल किया है। इनके निर्यात को बढ़ाने की विशेष तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि भारत केला का सबसे बड़ा उत्पादक देश हैं।

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के अधीन काम करने वाला कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण (एपीडा) चावल, गेहूं, प्याज जैसे आइटम की जगह केला, अनार, आलू, आम व अन्य फल-सब्जी से कृषि निर्यात में बढ़ोतरी की तैयारी कर रहा है। केले की वैश्विक बिक्री बढ़ाने के लिए पहली बार मुंबई में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन होने जा रहा है। अनार और आम को समुद्र के रास्ते निर्यात करने का पायलट प्रोजेक्ट किया जा रहा है। एपीडा ने कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए आलू, अंगूर, केला, विभिन्न हरी सब्जी समेत 20 आइटम को फोकस उत्पाद की सूची में शामिल किया है। इनके निर्यात को बढ़ाने की विशेष तैयारी चल रही है।

प्याज का निर्यात बढ़ते ही उसके दाम बढ़ने लगते हैं : एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने बताया कि गेहूं-चावल व प्याज जैसे आइटम की घरेलू स्तर पर खपत अधिक है। प्याज को इसलिए निर्यात के फोकस उत्पाद में नहीं रखा गया है क्योंकि प्याज का निर्यात बढ़ते ही उसके दाम बढ़ने लगते हैं।

भारत केला का सबसे बड़ा उत्पादक देश : उन्होंने बताया कि भारत केला का सबसे बड़ा उत्पादक देश हैं, लेकिन केले के 16 अरब डॉलर के निर्यात बाजार में भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत है जबकि केले के वैश्विक उत्पादन में 30 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। अगले दो-तीन सालों में केले के निर्यात को एक अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। रूस में भारतीय केले की काफी अधिक मांग निकल रही है। देव ने बताया कि कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए जैविक खेती के तरीके में भी पारदर्शिता लाई जा रही है और जल्द ही एपीडा जैविक खेती करने वाले तमाम किसानों की सूची को सार्वजनिक करने जा रहा है। जैविक उत्पादों का मुख्य बाजार यूरोपीय संघ और अमेरिका है। इसलिए इन देशों से जैविक खेती के सर्टिफिकेशन पर भी काम हो रहा है ताकि ये देश भारतीय जैविक उत्पादों को खारिज नहीं करे।

जल्द ही चीन में निर्यात होने लगेगा : भारतीय अल्कोहल पेयपदार्थदेव ने बताया कि भारतीय अल्कोहल पेयपदार्थ के निर्यात बढ़ाने की काफी अधिक गुंजाइश है और इस दिशा में ब्रिटेन और चीन के बाजार में अल्कोहल पेयपदार्थ को भेजने की तैयारी चल रही है। दोनों ही देश भारतीय अल्कोहल पेय पदार्थ की खरीदारी को लेकर उत्सुक है। अभी मध्य पूर्व और अफ्रीका के कुछ देशों में अल्कोहल वाले पेय पदार्थों (विहस्की) का निर्यात होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023